Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 70 | रविवार, 15 मार्च-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जहां कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला बंद होता है, वहां हमारा काम शुरू होता है: पीएम मोदी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

सिलचर। प्रधानमंत्री मोदी ने सिलचर में करीब 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि असम की बराक घाटी से दक्षिण पूर्व एशिया का बड़ा बाजार कनेक्ट होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस की पूर्व की सरकारों पर उत्तर पूर्व की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया।

असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, 'सिलचर को बराक

घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है। ये क्षेत्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से जोड़ता है। बराक घाटी के इस क्षेत्र को 21वीं सदी में और मजबूत करने के लिए आपके बीच आया हूं।' पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ रुपये होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर की मदद से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय साढ़े आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा 'थोड़ी देर पहले यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर बनने जा रहे हैं। मैं आप सभी को इन सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'

कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो और राज करो' की नीति की प्रयोगशाला बनाया

पीएम मोदी ने कहा, 'भाजपा का मंत्र है– जो विकास के दौड़ में पीछे रह गया, उसे प्राथमिकता देना। कांग्रेस की सरकारें बॉर्डर एरिया को देश के अंतिम गांव मानती थी। लेकिन हम सीमावर्ती गांवों को देश के पहले गांव मानते हैं। बॉर्डर एरिया के विकास के लिए, कछार जिले से ही वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का अगला चरण शुरू किया था। इससे बराक वैली के अनेक गांवों में भी सुधार होना तय हो गया है। कांग्रेस ने असम के युवाओं को सिर्फ हिंसा और आतंकवाद के कुचक्र में ही उलझाए रखा था। कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो और राज करो' नीति की प्रयोगशाला बनाया। आज असम के युवाओं के सामने अवसरों का खुला आसमान है। आज देश का हर राज्य कांग्रेस को सबक सीखा रहा है। अब निकट भविष्य में कांग्रेस खुद की पराजय के इतिहास की सेंचुरी मारने वाली है।'

होर्मुज संकट से भारत की टेंशन खत्म: ईरानी राजदूत का वादा- मित्र भारत को देंगे सुरक्षित मार्ग

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली ने शुक्रवार को पुष्टि की कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता और साझा हितों का हवाला दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित पारगमन की अनुमति देगा, जो वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है, फथली ने कहा कि हाँ। क्योंकि भारत और मैं मित्र हैं।

आप भविष्य देख सकते हैं और मुझे लगता है कि दो-तीन घंटों में ऐसा हो जाएगा। क्योंकि हम ऐसा

मानते हैं। हम मानते हैं कि ईरान और भारत मित्र हैं।

हमारे साझा हित हैं; हमारा साझा भाग्य है। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारत के लोगों का दुख हमारा दुख है और इसके विपरीत भी। और इसी कारण से, भारत सरकार हमारी मदद करे, और हमें भारत सरकार की मदद करनी चाहिए क्योंकि हमारा साझा भाग्य और साझा हित है।

फथली ने आगे कहा कि तेहरान ने भारत में अपने दूतावास को निर्देश दिया है कि वह भारतीय सरकार को क्षेत्रीय संघर्ष के बीच सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में सहायता करे।

केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक पर लगा NSA हटाया, तत्काल प्रभाव से खत्म हुई हिरासत

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति और आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और सार्थक संवाद शुरू करने के उद्देश्य से लिया गया है। केंद्र सरकार ने लद्दाख में जारी गतिरोध को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए लद्दाख के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय सभी हितधारकों (Stakeholders) के साथ 'रचनात्मक और सार्थक संवाद' को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि इस कदम से लद्दाख की मांगों को लेकर चल रहे गतिरोध को खत्म करने में मदद मिलेगी। सोनम वांगचुक पिछले काफी समय से लद्दाख को छठी अनुसूची (6th Schedule) में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने जैसी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। उनकी हिरासत के बाद लद्दाख और देश के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए थे। अब हिरासत खत्म होने के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत का नया दौर शुरू हो सकता है।

दलित वोट बैंक पर कांग्रेस की नजर? कांशीराम को भारत रत्न के वादे पर मायावती ने उठाए तीखे सवाल

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर शनिवार को सवाल उठाया कि यदि वह केंद्र में सत्ता में आती है तो बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मायावती ने देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं से अन्य राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कांग्रेस द्वारा बसपा को कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने बी आर आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया तो अब पार्टी कांशीराम को सम्मानित करने का प्रस्ताव कैसे रख सकती है। कांशीराम की जयंती रविवार को मनाई जाएगी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कांग्रेस ने दलितों के मसीहा और संविधान के प्रमुख निमार्ता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया, न ही उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया... तो अब वही पार्टी कांशीराम को कैसे सम्मानित कर सकती है?' उनकी यह टिप्पणी यहां कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान सम्मेलन में पारित एक प्रस्ताव के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कि

सत्ता में आने पर पार्टी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करेगी।

मायावती ने कहा, 'केंद्र में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने कांशीराम के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार ने भी राजकीय शोक की घोषणा नहीं की।' उन्होंने कहा कि दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई संगठन और राजनीतिक दल, जो अक्सर बड़े राजनीतिक दलों के हाथों की कठपुतली बनकर काम करते हैं, बसपा को कमजोर करने की कोशिश करते हुए राजनीतिक लाभ के लिए कांशीराम के नाम का लगातार इस्तेमाल कर रहे हैं। मायावती ने कहा, 'अब ये सभी दल कांशीराम द्वारा बनाई गई पार्टी बसपा को आए दिन अलग-अलग हथकंडे इस्तेमाल करके कमजोर करने में लगे हैं इसलिए उनके (कांशीराम के) अनुयायियों और समर्थकों को सतर्क रहना चाहिए, विशेष रूप से कांग्रेस के खिलाफ, जिसकी दलित विरोधी विचारधारा और मानसिकता ने बसपा के गठन को आवश्यक बना दिया।' बाद में एक बयान में बसपा प्रमुख ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता कांशीराम को संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की खातिर स्मरण करना विरोधी पार्टियों खासकर कांग्रेस एवं सपा का नया अवसरवादी फैशन हो गया है। उन्होंने कहा कि कांसीराम के मिशन के प्रति समर्पित होकर संविधान के पवित्र समतामूलक और कल्याणकारी उद्देश्यों को जमीन पर उतारने का कार्य अगर सही नीयत से किया गया होता तो न तो उन्हें बसपा की स्थापना की जरूरत करनी पड़ती और न ही अपार गरीबी, बेरोजगारी एवं पिछड़ेपन आदि का बोझ बहुजन समाज को आज तक झेलते रहना पड़ता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता की बात है कि वही जातिवादी द्वेष एवं सोच आज भी जारी है तथा इन वर्गों से जुड़े 'आरक्षण' को निष्प्रभावी बनाकर इस शोषणकारी व्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा रही है। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज' ने अपने हित, कल्याण आदि हेतु कांग्रेस, भाजपा, सपा जैसी पार्टियों को बार-बार आजमाया है लेकिन हर बार उन्हें भारी निराशा ही मिली है क्योंकि ये पार्टियां गिरगिट की तरह रंग बदलती हुई ज्यादातर नजर आती हैं। उन्होंने बसपा कार्यकताओं/समर्थकों को आगाह किया कि किसी भी हाल में वे वोट के इन सौदागरों के हाथों में न खेलें,यही बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम जी के जीवन संघर्ष के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। दरअसल कल 15 मार्च को कांशीराम की जयंती है। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी हमेशा कार्यक्रम आयोजित करती है। इस बार कांशीराम जयंती के अवसर पर कांग्रेस ने लखनऊ में 13 मार्च को संविधान सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिरकत कर थी।

सोनम वांगचुक की रिहाई पर केजरीवाल का हमला, बोले- मोदी सरकार की तानाशाही हुई बेनकाब

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने वांगचुक की बिना सबूत के हिरासत की आलोचना की और कहा कि इस स्पष्ट तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया, को बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में बिताए महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत नुकसान थे, बल्कि देश के लिए भी नुकसान थे। इस स्पष्ट तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल को 22 अन्य लोगों के साथ दिल्ली की एक विशेष अदालत ने रिहा कर दिया। इस बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वांगचुक की रिहाई के फैसले का स्वागत किया और सर्वोच्च न्यायालय से बिना मुकदमे के अधिकतम अनुमेय हिरासत अवधि के लिए एक सख्त मानदंड बनाने का आग्रह किया। पर एक पोस्ट में, थरूर ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत की आलोचना करते हुए इसे औपनिवेशिक युग की एक अलोकतांत्रिक प्रथा बताया, जिसका उनके अनुसार एक परिपक्व लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि केंद्र ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय कुछ ज्यादा ही लंबा लगता है। भारत सरकार के सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम अनुमेय हिरासत अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने की जरूरत है।

रैंक, जश्न और दावा, यूपीएससी के चार कैंडिडेट की सक्सेस स्टोरी निकली फर्जी, कौन असली और कौन नकली

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग 2025 का परीक्षा परिणाम (UPSC 2025 Result) 6 मार्च 2026 को जारी किया गया। यूपीएससी रिजल्ट होने के बाद अब तक ऐसे चार कैंडिडेट्स के नाम सामने आ चुके हैं, जिन्होंने परीक्षा पास करने का झूठा दावा किया।

यूपीएससी ने इन सभी मामलों की जांच की और परीक्षा पास करने वाले सही कैंडिडेट्स का नाम बताया। बीते नौ दिनों में इस तरह के अब तक चार मामले सामने आ चुके हैं। बुलंदशहर की शिखा गौतम ने खुद को यूपीएससी रिजल्ट में AIR 113 कैंडिडेट बताया। शिखा के दावे के साथ ही उनके घर में मिठाइयां बांटी गईं और ढोल-नगाड़े भी बजे। 113वीं रैंक पर दिल्ली की रहने वाली शिखा ने भी दावा किया।

UPSC को ई-मेल भेजकर स्पष्टीकरण जारी करने की मांग भी की गई। आयोग ने बुलंदशहर डीएम को जांच करने के आदेश दिए।

जांच के दौरान पता चला कि बुलंदशहर की शिखा गौतम का दावा झूठा है और 113 वी रैंक दिल्ली की शिखा की है।

पीएम मोदी की कोलकाता रैली से पहले मचा बवाल, बीजेपी-टीएमसी कार्यकताओं के बीच जमकर पत्थरबाजी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

कोलकाता। शनिवार को मध्य कोलकाता के गिरीश पार्क के पास टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। यह पार्क ब्रिगेड परेड ग्राउंड से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन में बाद में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया कि जब वे प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लगाते हुए रैली स्थल की ओर जा रहे थे, तो अचानक कुछ इलाकों से उन पर पत्थर फेंके गए। एक भाजपा कार्यकर्ता ने एक बंगाली समाचार चैनल को बताया कि बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने हमें गालियां भी दीं।

हालांकि, स्थानीय टीएमसी कार्यकताओं ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने ही पहले गाली-गलौज की और उन पर पत्थर फेंकना शुरू किया।

पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने कहा कि मुझ पर ईंट से हमला किया गया। भाजपा कोई गुंडा नहीं है; वह हत्यारा है। शशि पांजा ने कहा कि 50 से अधिक टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। मुझ पर एक बड़ा पत्थर फेंका गया, जिसके कारण मुझे अंदर धकेल दिया गया। भाजपा के लोग गुंडे हैं। ये लोग हत्यारे हैं।

पांजा ने दावा किया कि उन्होंने 'भाजपा का बहिष्कार करो' का बैनर देखा, उसे फाड़ दिया, तृणमूल कांग्रेस समर्थकों पर हमला किया और पत्थरबाजी की। यहां तक कि पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। आज कोलकाता में जिस तरह की गुंडागर्दी हुई है, वह अभूतपूर्व है; बंगाल में ऐसी अराजकता कभी नहीं होती। ये लोग हत्यारे हैं। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची।

यह घटना पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की राज्यव्यापी 'परिवर्तन यात्रा' के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मोदी की रैली से ठीक आधे घंटे पहले घटी।

प्रधानमंत्री अपने राज्य दौरे के दौरान 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण और शिलान्यास भी करेंगे।

संपादक की कलम से

पेट्रोलियम संकट में उपभोक्ता

ललित शर्मा
संपादक

प्रतिवर्ष 15 मार्च को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। यह दिन उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए समर्पित है, परंतु विडंबना यह है कि आज जब दुनिया इस दिवस को मना रही है, उसी समय वैश्विक राजनीति और युद्धों की आग में उपभोक्ता सबसे अधिक झुलस रहा है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, विशेषकर अमेरिका, इजरायल और ईरान के टकराव के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति और कीमतों पर वैश्विक दबाव बढ़ गया है। परिणाम यह हुआ कि पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में स्थिरता ने पूरे विश्व के उपभोक्ताओं को प्रभावित किया है। जब जब पेट्रोलियम महँगा होता है तो उसका असर केवल वाहन चलाने तक सीमित नहीं रहता बल्कि परिवहन, खाद्यान्न, बिजली, उद्योग और दैनिक उपभोग की वस्तुओं तक फैल जाता है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा बोझ पड़ता है। ऐसे समय में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि उपभोक्ता अधिकारों की जो व्यवस्था बनाई गई है वह वास्तव में आम नागरिक को कितनी राहत दे पा रही है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 में व्यापक रूप से लागू किया गया था उसके बाद अनेक संशोधन किए गए, वर्तमान में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को कई महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं। इनमें सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्त करने का अधिकार, चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार, न्याय प्राप्त करने का अधिकार और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार प्रमुख हैं। इसके अलावा इस कानून में भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण, ई-कॉमर्स कंपनियों की जवाबदेही और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था भी जोड़ी गई है। उपभोक्ता विवादों के समाधान के लिए भारत में त्री स्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। जिसमें जिला उपभोक्ता आयोग, राज्य उपभोक्ता आयोग और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग शामिल हैं। देश में लगभग 685 जिला उपभोक्ता आयोग और लगभग 35 राज्य आयोग कार्यरत हैं, जबकि राष्ट्रीय आयोग सर्वोच्च स्तर पर अपील और बड़े मामलों की सुनवाई करता है। जिला आयोग में एक करोड़ रुपये तक के मामलों की सुनवाई होती है, राज्य आयोग एक करोड़ से दस करोड़ रुपये तक के मामलों पर निर्णय देता है और दस करोड़ रुपये से अधिक के मामलों की सुनवाई राष्ट्रीय आयोग करता है। सरकार के उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता मामलों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2022 से 2025 के बीच लगभग 5.99 लाख मामले उपभोक्ता आयोगों में दर्ज हुए और लगभग 5.91 लाख मामलों का निपटारा किया गया, जबकि लाखों मामले अब भी लंबित हैं। वर्ष 2024 में लगभग 1.73 लाख नए मामले दर्ज हुए और लगभग 1.58 लाख मामलों का समाधान हुआ। जनवरी 2024 तक देशभर में लगभग 5.43 लाख मामले लंबित थे। कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, जैसे गुजरात में 2024 के दौरान राज्य आयोग में 2214 मामलों और जिला आयोगों में 15820 मामलों का निपटारा किया गया। यह आँकड़े यह दर्शाते हैं कि व्यवस्था सक्रिय तो है, परंतु मामलों की संख्या और निपटान के बीच अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है। कानून के अनुसार उपभोक्ता मामलों का निपटारा तीन से पाँच महीनों के भीतर हो जाना चाहिए, लेकिन व्यवहार में कई मामलों में वर्षों लग जाते हैं। इसके पीछे न्यायिक सदस्यों की कमी, प्रशासनिक ढाँचे की सीमाएँ, बार-बार स्थगन और कंपनियों द्वारा आदेशों के पालन में देरी जैसे कारण जिम्मेदार हैं।

प्रेम की दरबार

उदय किशोर साह

कविता

तेरी आँचल जब जब हवा में लहराई
आसमान में बदरा तब तब है छाई
फिजां का बदल गया रंग व नजारा
तेरी काली जुल्फों का ये काम है सारा

तेरी ये अल्हड़ चाल तेरी ये ढंग मस्तानी
नागिन सी बयां कर रही है तेरी कहानी
रूत वो प्यार की इस धरा पे है आई
जब जब तेरे बदन को छु गुजरी पुरवाई

तेरी पैरों की पायल की ये बजती रूनझुन
जवां दिलों की धड़का जाती है धड़कन
तेरी कजरारी नैनों की ये तेज कटार
घायल कर जाती है जिगर को मेरे यार

बागों की ये कलियां गुमसुम क्यूँ है भाई
लगता है तेरे सुन्दरता देख शर्म से शरमाई
हर गुलशन की तुम हो एक गुलफाम
हर जवां दिल की धड़कन हो गई तेरे नाम

मोहब्बत की आई धरा पे ये नई विहान
झूम रहा है प्रीत में सारा ये जवां जहान
प्रेम की मैं भी तुमसे करता हूँ इजहार
खोल दरवाजा कब से खड़ा हूँ मैं तेरे द्वार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

शोक के दिनों का मिले अधिकार, दुख के दिनों में भी ड्यूटी क्यों?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

'शोक में भी छुट्टी नहीं?'-यह प्रश्न हाल ही में उस समय राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया जब दिनेश शर्मा ने राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया कि यदि किसी व्यक्ति के परिवार में मृत्यु हो जाती है, तो उसे कम से कम तेरह दिन का शोक अवकाश मिलना चाहिए और वह भी बिना वेतन कटौती के। उनका तर्क था कि जब कई विकसित देशों में इस प्रकार की व्यवस्था मौजूद है, तो भारत में ऐसी मानवीय व्यवस्था क्यों नहीं हो सकती। यह प्रश्न केवल एक प्रशासनिक नियम का नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक यह उस संवेदनशीलता का सवाल है, जो किसी समाज और उसकी कार्यसंस्कृति को परिभाषित करती है।

भारतीय समाज में मृत्यु केवल एक निजी घटना नहीं होती, बल्कि यह एक पारिवारिक और सामाजिक अनुभव भी होती है। किसी प्रियजन के निधन के बाद परिवार के लोग मानसिक रूप से गहरे आघात से गुजरते हैं। ऐसे समय में व्यक्ति को अपने परिवार के साथ रहने, शोक व्यक्त करने और सामाजिक-धार्मिक परंपराओं का पालन करने के लिए समय की आवश्यकता होती है। भारत में पारंपरिक रूप से मृत्यु के बाद तेरह दिन का शोक काल माना जाता है, जिसमें परिवार के सदस्य न केवल धार्मिक कर्मकांड निभाते हैं, बल्कि धीरे-धीरे उस दुखद घटना को स्वीकार करने की मानसिक प्रक्रिया से भी गुजरते हैं। यदि ऐसे समय में किसी कर्मचारी को यह चिंता करनी पड़े कि उसकी अनुपस्थिति से वेतन कट जाएगा या नौकरी पर असर पड़ेगा, तो यह स्थिति निस्संदेह असंवेदनशील प्रतीत होती है।

आज का कार्य जीवन पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी और दबावपूर्ण हो गया है। सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में कर्मचारियों से निरंतर उत्पादकता और अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। यह अपेक्षा अपने आप में गलत नहीं है, क्योंकि किसी भी संस्था को चलाने के लिए कार्यक्षमता और नियम आवश्यक होते हैं। लेकिन प्रश्न तब उठता है जब नियमों की कठोरता मनुष्य की भावनाओं और सामाजिक परिस्थितियों से टकराने लगती है। शोक का समय मनुष्य के जीवन का ऐसा क्षण होता है जब वह मानसिक रूप से सबसे अधिक कमजोर और अस्थिर होता है। उस समय उसे प्रशासनिक नियमों के बोझ से मुक्त रखना ही मानवीय दृष्टिकोण कहलाता है। दुनिया के कई देशों में इस बात को समझते हुए शोक अवकाश की व्यवस्था बनाई गई है। उदाहरण के लिए जर्मनी, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कर्मचारियों को परिवार के सदस्य की मृत्यु पर कुछ दिनों का सवैतनिक अवकाश दिया जाता है। इसका उद्देश्य यही होता है कि कर्मचारी अपने जीवन के कठिन समय में आर्थिक चिंता से मुक्त रहकर अपने परिवार और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकें। इन देशों में यह समझ विकसित हो चुकी है कि संवेदनशील कार्यसंस्कृति केवल कर्मचारी के हित में ही नहीं, बल्कि संस्थान के हित में भी होती है। जब किसी कर्मचारी को उसके कठिन समय में सहानुभूति और सहयोग मिलता है, तो वह भविष्य में और अधिक निष्ठा और समर्पण के साथ काम करता है। भारत में स्थिति कुछ अलग और कुछ हद तक असमान है। कई सरकारी विभागों और निजी संस्थानों में शोक अवकाश की व्यवस्था तो है, लेकिन यह एक समान और स्पष्ट नीति के रूप में लागू नहीं है। कई स्थानों पर कर्मचारियों को अर्जित अवकाश या आकस्मिक अवकाश का उपयोग करना पड़ता है। यदि किसी कर्मचारी के पास पर्याप्त अवकाश शेष नहीं है, तो उसे वेतन कटौती का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति उस समय और भी कठिन हो जाती है जब किसी कर्मचारी को अचानक शोक का सामना करना पड़ता है और उसके पास प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करने का भी समय नहीं होता। भारत की सामाजिक संरचना को देखते हुए शोक अवकाश का प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ परिवार केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि दादा-दादी, भाई-बहन और अन्य रिश्तेदार भी परिवार का हिस्सा होते हैं। किसी सदस्य की मृत्यु का प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। कई बार परिवार के लोग दूर-दूर के शहरों या गाँवों में रहते हैं और उन्हें अंतिम संस्कार तथा अन्य संस्कारों में भाग लेने के लिए यात्रा भी करनी पड़ती है। ऐसे में सीमित अवकाश या वेतन कटौती की स्थिति व्यक्ति के दुख को और अधिक जटिल बना देती है। यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि लंबे समय का सवैतनिक अवकाश दिया गया, तो इससे संस्थानों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। परंतु इस तर्क को पूरी तरह स्वीकार करना कठिन है, क्योंकि शोक की स्थिति रोजमर्रा की घटना नहीं होती।

पीड़ित उपभोक्ताओं के आंसू पोछने का मंच है उपभोक्ता आयोग

डॉ श्रीगोपाल नारसन
लेखक

उपभोक्ता के साथ कोई भी ठगी या सेवा में कमी न कर पाए,उपभोक्ता को कोई धोखा न दे सके ,कोई दुकानदार या सेवा प्रदाता झूठी सच्ची बाते करके किसी को खराब गुणवत्ता का सामान न बेच सके और किसी को खराब सेवा न दे सके । इसके लिए सभी को जागरूक रहना आवश्यक है। उपभोक्ता आयोग एक ऐसा न्याय का मंदिर है जहां आप सुगमता से न्याय मांग सकते है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2019 की अधिसूचना भारत सरकार ने 15 जुलाई 2020 को जारी कर दी थी।जिसके तहत 20 जुलाई सन 2020 से उक्त संशोधित कानून प्रभावी हो गया था। इस बदले कानून से उपभोक्ताओं को शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल रही है। इस कानून में किये गए बदलाव से उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के क्षेत्र में नई पहल का सूत्रपात हुआ है। उपभोक्ता संरक्षण संशोधित कानून, 2019 के तहत उपभोक्ता कही से भी उपभोक्ता अदालत में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इस कानून में उपभोक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए साथ ही पुराने नियमों में सुधार की कोशिश भी की गई है।जैसे सेंट्रल रेगुलेटर का गठन, भ्रामक विज्ञापनों पर भारी दंड और ई-कॉमर्स फर्मों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने वाली कंपनियों के लिए सख्त दिशानिर्देश इस नये कानून में शामिल किये गए हैं। उपभोक्ता अब कहीं से भी यानि जहां वह निवास करता है या जहां से उसने सामान या सेवा खरीदी है ,में से कही से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।प्रायः न्यायालयो में तारीख पर तारीख दी जाती है,जिसकारण वादकारियों की चप्पलें तक घिस जाती है।दीवानी न्यायालय के बारे में तो कहावत है कि दावा दादा करता है तो न्याय पोते को मिलता है।इस मिथक को तोड़ने की आज सबसे बड़ी आवश्यकता है।हालांकि यह काम यानि तारीख पर तारीख न देकर शीघ्र सहज न्याय देने का काम देश की उपभोक्ता अदालते,जो अब आयोग के रूप में परिवर्तित होकर उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करा रही है।हम कह सकते है, समय के साथ उपभोक्ताओ की सोच में भी अब बदलाव आया है।अब खरीदी गई वस्तु के खराब निकलने पर सिर्फ अफसोस व्यक्त करके उपभोक्ता घर नही बैठता, बल्कि दुकानदार से शिकायत करने के साथ ही खराब वस्तु को बदलवाने के लिए उपभोक्ता आयोग तक का दरवाजा खटखटाता है।इसी प्रकार खरीदी गई किसी सेवा में कमी मिलने पर उपभोक्ता अपने साथ हुए अन्याय के लिए प्रतिवाद करने लगा है और विभिन्न मंचो पर न्याय के लिए जाने लगा है।

उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें गठित हैं जिन्हें आयोग के रूप मान्यता दी गई है।नए कानून के तहत उपभोक्ता अदालतों के क्षेत्राधिकार में बदलाव किया गया है। राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालतों के मुकाबले जिला अदालतों तक पहुंच ज्यादा होती है। इसलिए अब जिला उपभोक्ता अदालतें 50 लाख रुपये तक के मामलों की सुनवाई कर सकेंगी।पहले जिला आयोग को एक करोड़ रुपये मूल्य के वादों की सुनवाई का अधिकार था,जो अब घटाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है।

अब उपभोक्ता अपनी शिकायत कही से भी दर्ज कर सकता है। पहले उपभोक्ता वहीं शिकायत दर्ज करा सकता था, जहां विक्रेता अपनी सेवाएं देता है या फिर उसकी कोई शाखा या कार्यालय जहां मौजूद है। ई-कॉमर्स अर्थात ऑन लाइन से बढ़ती खरीदारी को देखते हुए यह उपभोक्ताओं के हित मे यह एक अच्छा कदम है। इसके अलावा कानून में उपभोक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी सुनवाई में शिरकत करने की इजाजत दी गई है। इससे उपभोक्ता का पैसा और समय दोनों बच सकेंगे और उसे न्याय भी जल्दी मिल सकेगा। उपभोक्ता कानून के इतिहास का अवलोकन करें तो पता चलता है कि सन 1966 में जेआरडी टाटा के नेतृत्व में कुछ उद्योगपतियों द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के तहत फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन की मुंबई में स्थापना की गई थी और इसकी शाखाएं कुछ प्रमुख शहरों में स्थापित की गईं। भारत मे उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित करने के लिए उपभोक्ता आंदोलन का यह प्रथम प्रयास कहा जा सकता है।वही स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना बीएम जोशी द्वारा 1974 में पुणे में की गई।समय के साथ अनेक राज्यों में उपभोक्ता कल्याण हेतु संस्थाओं का गठन हुआ। इस प्रकार उपभोक्ता आन्दोलन देश मे आगे बढ़ता रहा और सन 24 दिसम्बर 1986 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद ने पारित किया और जो राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित होने के बाद देशभर में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के रूप में लागू हुआ। इस अधिनियम में बाद में सन 1993 ,सन 2002 व अब 2019 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन व्यापक संशोधनों के बाद यह एक सरल व सुगम अधिनियम हो गया है। इस अधिनियम के अधीन पारित उपभोक्ता अदालतों के आदेशों का पालन न किए जाने पर धारा 72 के अधीन कारावास व दण्ड का प्रावधान किया गया है।

नए कानून में उत्पाद व विक्रेता कंपनी की जवाबदेही तय की गई है । उत्पाद में निर्माण त्रुटि या खराब सेवाओं से अगर उपभोक्ता को नुकसान होता है तो उसे बनाने वाली कंपनी को हजार्ना देना होगा. यानि निर्माण त्रुटि में खराबी के कारण प्रेशर कुकर के फटने पर उपभोक्ता को चोट पहुंचती है तो उस हादसे के लिए कंपनी को हजार्ना देना होगा। पहले उपभोक्ता को केवल कुकर की लागत मिलती थी। उपभोक्ताओं को क्षति पूर्ति के लिए भी सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता था।जिससे मामले के निपटारे में सालों साल लग जाते थे।पहले कंपनियां अनैतिक तरीके से कोर्ट से तारीख पर तारीख ले लेती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उपभोक्ताओं को 90 दिन की समय सीमा में न्याय मिल जाना चाहिए।हालांकि इसमें प्रायः थोड़ा ज्यादा समय लग रहा है।

पहले जहां से उपभोक्ता ने सामान खरीदा था, वहीं के उपभोक्ता फोरम में वाद दायर करना होता था। अब उपभोक्ता कहीं से भी सामान खरीदा हो, यदि उसमें खराबी है तो उसकी शिकायत घर या काम की जगह के आसपास के उपभोक्ता अदालत में कर सकता है। इस नये कानून का सबसे ज्यादा असर ई-कॉमर्स बिजनेस के क्षेत्र में होगा।अब इसके दायरे में सेवा प्रदाता भी आ जाएंगे. 'उत्पाद की जवाबदेही अब निमार्ता के साथ सेवा प्रदाता और विक्रेताओं पर भी होगी. इसका अर्थ यह हुआ कि ई-कॉमर्स साइट खुद को एग्रीगेटर बताकर पल्ला नहीं झाड़ सकती हैं.'ई-कॉमर्स कंपनियों पर सीधे बिक्री पर लागू सभी कानून प्रभावी होंगे. अब अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसे व्यापारिक मंच को विक्रेताओं के ब्योरे का खुलासा करना होगा. इनमें उनका पता, वेबसाइट, ई-मेल इत्यादि शामिल करना जरूरी हैं.ई-कॉमर्स फर्मों की जिम्मेदारी होगी कि वे सुनिश्चित करें कि उनके स्तर पर किसी तरह के नकली उत्पादों की बिक्री न हो. अगर ऐसा होता है तो कंपनी पर दंड लग सकता है, क्योंकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर नकली उत्पादों की बिक्री के मामलो की शिकायतें मिलती रही हैं। कानून में सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) नाम का केंद्रीय रेगुलेटर बनाने का प्रस्ताव है।यह उपभोक्ता के अधिकारों, अनुचित व्यापार व्यवहार, भ्रामक विज्ञापन और नकली उत्पादों की बिक्री से जुड़े मामलो को देखेगा और जरूरत पड़ने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही कर सकता है। उपभोक्तता संरक्षण अधिनियम 2019के पारित हो जाने के बाद कंपनियों पर इस बात की जिम्मेदारी अब और ज्यादा होगी कि उनके उत्पादों के विज्ञापन भ्रामक न हों और उनके उत्पाद दावों के अनुरुप ही हों।वही नई विधिक व्यवस्था में राज्य उपभोक्ता आयोग की आर्थिक शक्ति थोड़ा कम की गई है।पहले राज्य आयोग को 10 करोड़ रुपये मूल्य तक की उपभोक्ता शिकायत सुनने की शक्ति थी,जिसे घटाकर 2 करोड़ रुपये तक कर दिया गया है।उपभोक्ता आयोग के साथ ही आप एक उपभोक्ता के रूप में जिला स्थायी लोक अदालतों, बिजली विभाग की शिकायतों के लिए विद्युत शिकायत निवारण मंच, ओम्बड्समैन आदि मंचो व न्यायालय में जाकर न्याय प्राप्त कर सकते है।

कटौती की मार कर्मचारियों पर, विधायकों के बढ़ते भत्ते

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

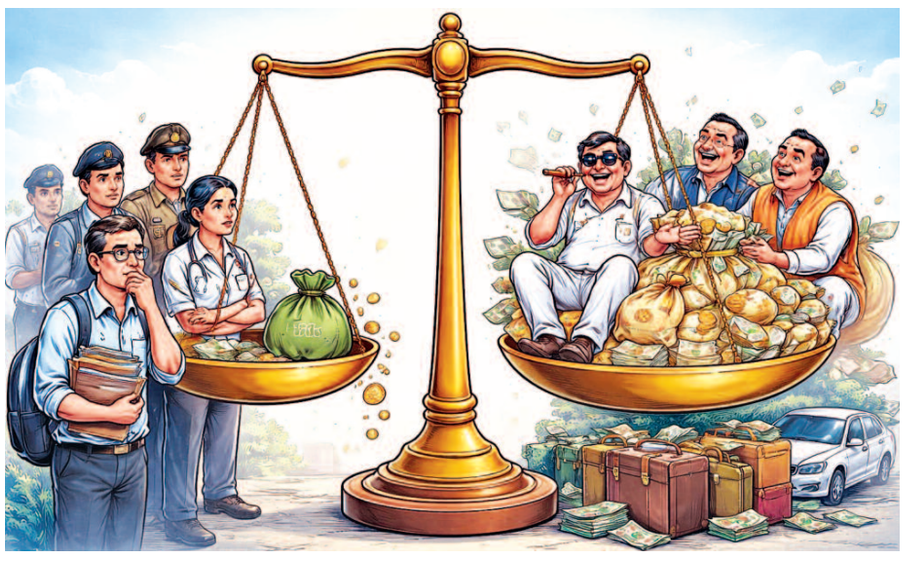

हाल के समय में सरकारी कर्मचारियों के बीच एक निर्णय को लेकर व्यापक चर्चा और असंतोष देखा जा रहा है। एलटीसी (Leave Travel Concession) के बदले एक माह के वेतन के विकल्प को समाप्त करने का निर्णय कई कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। अनेक कर्मचारी संगठनों और शिक्षकों ने इसे अपने हितों के विपरीत बताया है। उनका कहना है कि यह निर्णय उन कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से नुकसानदायक है जो विभिन्न कारणों से यात्रा नहीं कर पाते थे और एलटीसी के बदले वेतन विकल्प का लाभ लेते थे। यह मुद्दा केवल एक आर्थिक सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कर्मचारियों के मनोबल, उनकी आर्थिक सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता पर भी प्रभाव पड़ सकता है। किसी भी सरकार के लिए यह आवश्यक होता है कि वह कर्मचारियों की परिस्थितियों को समझते हुए निर्णय ले, क्योंकि सरकारी कर्मचारी ही नीतियों को धरातल पर लागू करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। एलटीसी सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली एक महत्वपूर्ण सुविधा है। इसका उद्देश्य यह है कि कर्मचारी समय-समय पर अपने परिवार के साथ यात्रा कर सकें, अपने कार्य के दबाव से कुछ समय के लिए दूर होकर मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा हो सकें। इस सुविधा के माध्यम से कर्मचारियों को देश के विभिन्न हिस्सों को देखने और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलता है। हालांकि हर कर्मचारी के लिए यात्रा करना संभव नहीं होता। कई बार पारिवारिक जिम्मेदारियाँ, बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की देखभाल, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ या अन्य व्यक्तिगत परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं जिनके कारण कर्मचारी इस सुविधा का लाभ नहीं ले पाते। ऐसे कर्मचारियों के लिए एलटीसी के बदले एक माह के वेतन का विकल्प एक व्यावहारिक समाधान था। यह विकल्प कर्मचारियों के लिए आर्थिक सहारे के रूप में कार्य करता था।

विशेष रूप से मध्यम और निम्न आय वर्ग के कर्मचारियों के लिए यह अतिरिक्त राशि घर के खर्चों, बच्चों की पढ़ाई, चिकित्सा जरूरतों या अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होती थी। ऐसे में जब इस विकल्प को समाप्त किया जाता है, तो इसका सीधा असर उन कर्मचारियों पर पड़ता है जो यात्रा नहीं कर पाते थे और इस विकल्प पर निर्भर रहते थे। सरकारी कर्मचारियों की आय सामान्यतः निश्चित और सीमित होती है। उन्हें अपने परिवार की सभी आवश्यकताओं को उसी आय के भीतर संतुलित करना पड़ता है। यदि ऐसी किसी सुविधा को समाप्त किया जाता है, तो उसका प्रभाव सीधे उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। यही कारण है कि इस निर्णय को लेकर कर्मचारियों के बीच चिंता और असंतोष की भावना दिखाई दे रही है। किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था की सफलता काफी हद तक कर्मचारियों के मनोबल पर निर्भर करती है। यदि कर्मचारी संतुष्ट और प्रेरित होंगे तो वे अपने कार्य को अधिक जिम्मेदारी और दक्षता के साथ करेंगे। लेकिन यदि उन्हें यह महसूस होने लगे कि उनकी सुविधाओं में लगातार कटौती हो रही है, तो इससे उनके मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से शिक्षकों की भूमिका समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम की पढ़ाई तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज के भविष्य का निर्माण करते हैं। वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, विचार और मूल्यों को आकार देने का कार्य करते हैं। इस दृष्टि से शिक्षकों की संतुष्टि और प्रेरणा समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यदि शिक्षकों और कर्मचारियों को यह महसूस हो कि उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है, तो यह स्थिति लंबे समय में प्रशासनिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर प्रभाव डाल सकती है। इसलिए कर्मचारियों से जुड़े निर्णयों में संवेदनशीलता और संतुलन का होना आवश्यक है। इस पूरे विषय के साथ एक और पहलू अक्सर चर्चा में आता है। आम जनता और कर्मचारियों के बीच यह धारणा भी बनती जा रही है कि जहाँ एक ओर कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर विधायकों और जनप्रतिनिधियों के भत्तों तथा पेंशन में लगातार वृद्धि होती रहती है। विधायक लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं और उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए उचित सुविधाएँ मिलनी चाहिए। लेकिन जब तुलना की जाती है तो कर्मचारियों और आम जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या नीति निर्माण में संतुलन और समानता का ध्यान रखा जा रहा है।

लोकतंत्र की मूल भावना यही है कि सभी वर्गों के साथ न्यायपूर्ण और संतुलित व्यवहार किया जाए। यदि किसी वर्ग को यह महसूस हो कि उसके साथ असमान व्यवहार हो रहा है, तो इससे व्यवस्था के प्रति विश्वास कमजोर हो सकता है। सरकार के सामने वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन की चुनौती भी होती है। कई बार आर्थिक परिस्थितियों के कारण खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे निर्णय लेते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका प्रभाव किसी एक वर्ग पर ही अधिक न पड़े। यदि किसी आर्थिक कारण से खर्चों में कमी करना आवश्यक हो, तो इसके लिए व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। नीति निर्माण में पारदर्शिता और संवाद भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। कर्मचारियों और सरकार के बीच संवाद किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार होता है। यदि कर्मचारियों को यह विश्वास हो कि उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना जा रहा है, तो वे भी अपने कार्यों को अधिक जिम्मेदारी और समर्पण के साथ निभाते हैं।

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हापुड़ राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन

हरेन्द्र शर्मा

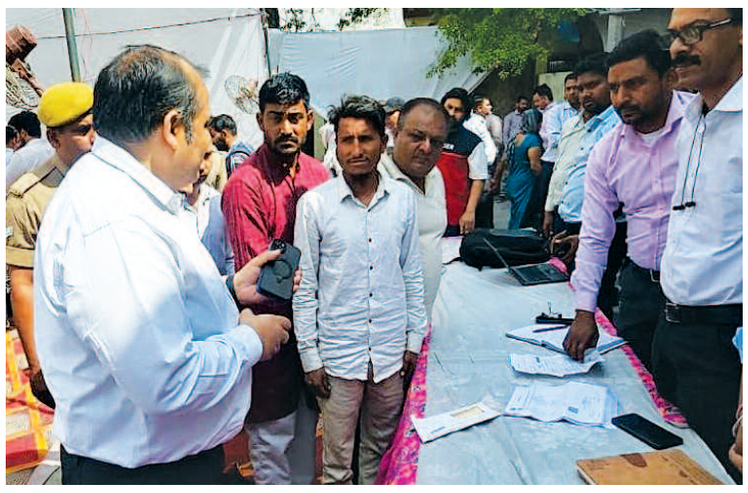

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 230881 मामले हुए निस्तारित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,लखनऊ के तत्वाधान एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,हापुड़ के कुशल निर्देशन में अजय कुमार सिंह ए ा, श ा म ा , ज न ा प ा द न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ के द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घघाटन फीता काटकर, दीप प्रज्ज्वलित कर,माँ सरस्वती की प्रतिमा का पुष्पार्चन तथा माल्यार्पण कर किया गया। उद्घघाटन कार्यक्रम में गुरप्रीत सिंह बावा पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण,हापुड़,पीयूष पाण्डेय,प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, हापुड़, विपिन कुमार द्वितीय,अपर जिला जज-प्रथम, हापुड़, हनी गोयल, अपर जिला जज/नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, सौरभ कुमार वर्मा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़, ज्ञानेन्द्र सिंह यादव ,अपर जिला जज विशेष न्यायाधीश (पोक्सो अधिनियम),प्रथम हापुड़, यज्ञेश चन्द्र पाण्डेय अपर जिला जज द्वितीय,हापुड़, मिताली गोविंद राव, अपर जिला जज त्वरित न्यायालय प्रथम, हापुड़, विरेश चन्द्रा, अपर जिला जज त्वरित न्यायालय द्वितीय तथा समस्त न्यायालयों के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण, राजीव गुप्ता मुख्य प्रबन्धक (एल0डी0एम) केनरा बैंक हापुड़, शीशपाल सिंह, मैनेजर लीड बैंक, हापुड़ एवं, बार अध्यक्ष, देवेन्द्र नवादा व सचिव, रवि कुमार एवं विद्वान अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण, बैंक के अधिकारीगण तथा वादकारीगण उपस्थित रहें।

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,हापुड़ के द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जो मामले निस्तारित होते है उसमें दोनों पक्षकारों की जीत होती है एवं किसी का नुकसान नहीं होता है एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन किये जाने हेतु जनपद हापुड़ के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, बैंक अधिकारीगण एवं समस्त वादकारी व पत्रकार बन्धु का आभार व्यक्त किया गया।इस संबंध में राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रबन्धन अपर जिला जज/नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, हापुड़ हनी गोयल की देखरेख में सौरभ कुमार वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ के द्वारा किया गया। इसी क्रम में अपर जिला जज/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न न्यायालयों के द्वारा 4104 वादों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में जिला जज अजय कुमार सिंह प्रथम द्वारा 01 वादों का निस्तारण किया गया।

पीयूष पाण्डेय, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, हापुड़ के द्वारा 49 वादों का निस्तारण किया गया, जिनमें से 08 जोड़ों को सुखमय जीवन व्यतीत करने हेतु न्यायालय कक्ष से विदा किया गया। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, हापुड़ गुरप्रीत सिंह बावा के द्वारा 30 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 77,50,000/- रुपए का सेटलमेंट किया गया।

अपर जिला जज प्रथम,हापुड़ विपिन कुमार द्वितीय द्वारा 235 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 13,000/- रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया। अपर जिला जज विशेष (एससी/एसटी)अधिनियम, हनी गोयल के द्वारा 03 वादों का निस्तारण किया गया एवं मु0 500/- रु0 का अर्थदण्ड वसूल किया गया। अपर जिला जज विशेष पोक्सो अधिनियम,हापुड़ ज्ञानेन्द्र सिंह यादव द्वारा 06 वादों का निस्तारण किया गया एवं 15,000/- रु० का अर्थदण्ड वसूल किया गया एवं रु0 15,000/- का सेटलमेंट किया गया। यज्ञेश चन्द्र पाण्डेय अपर जिला जज द्वितीय के द्वारा 03 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें 1,000/- रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया एवं 79,000/- रु0 का सेटलमेंट किया गया। अपर जिला जज त्वरित न्यायालय प्रथम, मिताली गोविंद राव के द्वारा 04 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 500/- रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सौरभ कुमार वर्मा द्वारा 2460 लघु आपराधिक वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 2,31,330/- रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया। डा0 ब्रह्मपाल सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हापुड़ के द्वारा कुल 520 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें रु0 91,00/- का अर्थदण्ड वसूल किया गया। साधना कुमारी गुप्ता, सिविल जज (सी0डि0) प्रथम, हापुड़ द्वारा 12 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु0 15,85,234/- रु0 की बाबत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी किया गया। असगर अली, सिविल जज (सी0डि0), द्वितीय,असगर अली प्रथम द्वारा 35 वादों का निस्तारण किया गया।

अपर सिविल जज (सी०डि) प्रथम, आदित्य जायसवाल के द्वारा 04 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें 2,35,000/-रुपये का सैटलमेंट किया गया एवं मु0 4100/- रु अर्थदण्ड वसूल किया गया।सुनील शेखर, अपर सिविल जज (सी०डि०) द्वितीय द्वारा 01 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें रु0 1,00,0000/- का सेटलमेंट किया गया। सिविल जज (सी0डि0), एफ.टी.सी, सौनाली रत्ना के द्वारा 151 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें 5,13,235/- रुपये का सेटलमेंट किया गया एवं 7860/- रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया। सिविल जज (जू0डि0) प्रथम, हापुड़ विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा 22 वादों का निस्तारण किया गया एवं मु0 3,78,177/- रु0 का सेटलमेंट किया गया। सिविल जज (जू0डि0) द्वितीय,हापुड़ तन्वी सिंह द्वारा 53 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें से मु0 5,23,386/- रु का सेटलमेंट किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, हापुड़ प्रगति द्वारा 151 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 2500/- रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया। सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट, गढ़मुक्तेश्वर श्रीमति पारुल कुमारी द्वारा 132 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 9,35,000/- रुपए का सेटलमेंट किया एवं मु० 1410/- रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया। अपर सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट गढ़मुक्तेश्वर श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती द्वारा 88 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें मु० 2215/- रुपए का अर्थदण्ड वसूल किया गया। न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय धौलाना श्री दीपक गौतम द्वारा 53 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें 500/- रु० का अर्थदण्ड वसूल किया गया। सिविल जज (जू०डि०) त्वरित न्यायालय, द्वितीय सुश्री आभा द्वारा 76 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें 5,04,948/- रु० का सेटलमेंट किया गया एवं 7900/- रु० का अर्थदण्ड वसूल किया गया।

सिम्भावली शुगर मिल मे लगाया गया स्वास्थ्य शिविर श्रमिकों को परामर्श के साथ साथ जांच की सुविधा भी दी

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी के नेतृत्व में जनपद में भारत सरकार द्वारा आदेशित सभी औद्योगिक संस्थाओं / होटलों/ हॉस्टलों आदि में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के क्रम मे आज जनपद के शिम्भावली शुगर मिल परिसर में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया शिविर में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह की अध्यक्षता में आयी टीम द्वारा क्षय रोग (टी0बी0) रक्त चाप मधु मेह (शुगर) आदि की जांच कराई गई एवम्-एच0 आई0वी0 सम्बंधी परामर्श एवम्-जांच की सेवाएं प्रदान की गई इस अवसर पर शिम्भावली शुगर मिल के जनरल मैनेजर करण सिंह जी एच आर हैड शिवचरण जी स्वास्थ्य विभाग से डॉ अशोक रस्तोगी जिला पी 0एम0डी0टी0कॉर्डिनेटर मनोज कुमार जिला पी 0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी फार्मासिस्ट अमित नेहरा यूनियन लीडर नारायण सिंह आई सी टी सी काउंसलर रुबीना एस टी एल एस दुर्वेश कुमार लैब तकनीशियन रोहित कुमार व नवभारत समाज कल्याण संस्था के पिंटू कुमार एवम्-रीना आदि उपस्थित रहे।

मानव कल्याण में साहित्य की भूमिका पर हुई व्यापक चर्चा

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जे०एम०एस० ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हापुड़ में मानव कल्याण हेतु साहित्य का योगदान विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रोफेसरों ने समाज कल्याण में साहित्य की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। यह संगोष्ठी एसोसिएशन फॉर इंग्लिश स्टडीज ऑफ इंडिया (ए०ई०एस०आई०) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति और साहित्य के सामाजिक प्रभाव पर भी चर्चा हुई ।मुख्य वक्ता के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० कुलदीप सिंह ने कहा कि महाकाव्य, लोककथाएँ और आधुनिक साहित्य समाज को साझा सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ते हैं। साहित्य के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का विकास होता है ।श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मीनू कश्यप ने कहा कि साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला दर्पण है।

इसके माध्यम से जीवन के विविध अनुभवों, संघर्षों और मूल्यों की अभिव्यक्ति होती है ।महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी की प्रो० निशा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुभाषिकता और भारतीय ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है और साहित्य इन दोनों को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा और साहित्य का संगम विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाता है आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय, मेरठ के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ० प्रकाश भादुड़ी ने कहा कि साहित्य व्यक्ति को आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है और जीवन की जटिलताओं को समझने की शक्ति देता है ।प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं ए०ई०एस०आई० के महामंत्री प्रो० विकास शर्मा ने कहा कि साहित्य समाज की सोच को बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि अच्छा साहित्यकार, प्रोफेसर और विद्यार्थी किसी राजनीतिक विचारधारा से बंधा नहीं होता, बल्कि वह समाज और मानवता के हित में स्वतंत्र सोच रखता है ।नागपुर के प्रोफेसर प्रो० सुदेश एम० बी० भोवते ने कहा कि आधुनिक काल में साहित्य ने सामाजिक सुधार, स्वतंत्रता, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।जे०एम०एस० ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के फाउंडर चेयरमैन एवं संगोष्ठी के संरक्षक राकेश सिंघल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसी शैक्षणिक संगोष्ठियाँ ज्ञान के आदान-प्रदान का सशक्त मंच प्रदान करती हैं और विद्यार्थियों को साहित्य, संस्कृति तथा मानवीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ।के०आई०ई०टी०, गाजियाबाद के प्रोफेसर विपिन त्यागी ने भाषा विज्ञान और साहित्य के संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। ए०ई०एस०आई० के चेयरमैन व जे०एम०एस० ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के महानिदेशक प्रो० सुभाष गौतम ने अंग्रेजी साहित्य की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चौसर, शेक्सपीयर, मिल्टन, वड्र्सवर्थ और एलियट जैसे लेखकों की रचनाओं ने विश्वभर के पाठकों को नए दृष्टिकोण दिए हैं।

दिवंगत शिक्षक सगीर के परिवार को टीएससीटी देगी आर्थिक मदद, टीम ने घर जाकर किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टाण्डा(रामपुर)। नगर के मोहल्ला यूसुफ निवासी दिवंगत अध्यापक मोहम्मद सगीर के परिवार को टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) इसी माह आर्थिक सहायता मुहैया कराएगी। शुक्रवार शाम जिला टीम ने उनके आवास पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और परिजनों के साथ शोक संवेदना व्यक्त की। मालूम हो कि मोहम्मद सगीर लखीमपुर खीरी के धौरहरा ब्लॉक स्थित कम्पोजिट विद्यालय नया गांव में तैनात थे। उनका निधन 2 मार्च 2025 को हुआ था। वे टीएससीटी के सक्रिय सदस्य थे। प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद आर्य के निर्देश पर जिला संयोजक अनुपम कुमार पटेल के नेतृत्व में टीम ने मोहल्ला यूसुफ चोक स्थित उनके घर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाया। पदाधिकारियों ने कहा कि अपनों के जाने का दर्द सहना मुश्किल है, लेकिन संवेदना और सहयोग से आंसू जरूर पोछे जा सकते हैं।

एसएसवी कॉलेज में 517 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दी नवदंपतियों को शुभकामनाएं

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को जनपद हापुड़ में 517 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। दिल्ली रोड स्थित एसएसवी कॉलेज मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में विवाह संपन्न हुए। कार्यक्रम में 177 मुस्लिम तथा 340 हिंदू जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधकर नए जीवन की शुरूआत की ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक विजयपाल आढ़ती, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र तेवतिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर तथा जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की ।सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। इसके अंतर्गत अब प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये की धनराशि खर्च की जा रही है। इसमें 60 हजार रुपये कन्या के खाते में जमा किए जाते हैं, 25 हजार रुपये का घरेलू सामान दिया जाता है तथा 15 हजार रुपये खानपान की व्यवस्था पर खर्च किए जाते हैं ।जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने बताया कि योजना के तहत जनपद में कुल 517 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। इनमें हापुड़ ब्लॉक के 157, सिंभावली ब्लॉक के 104, गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक के 76 तथा धौलाना ब्लॉक के 78 जोड़े शामिल रहे।

बीईजी के पुष्पावली 2026 में लगे ब्रह्माकुमारीज संकल्प स्टॉल का कमांडेंट ने किया उदघाटन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रुड़की। भारतीय सेना की शान व तकनीकी कौशल से सुसज्जित बंगाल इंजीनियर एवं केंद्र रुड़की द्वारा आयोजित पुष्पावली 2026 पुष्प मेले में ब्रह्माकुमारीज की चित्र व पुस्तक प्रदर्शनी स्टॉल का उदघाटन बीईजी के कमांडेंट ब्रिगेडियर केपी सिंह व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती निधि सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया ।राजयोगिनी बीके गीता दीदी,बीके दीपिका, बीके सपना,बीके पारुल,यशपाल सिंह ,शिवकुमार, अंकित राठौड़, हरिकिशन व श्रीगोपाल नारसन ने ब्रिगेडियर केपी सिंह व उनकी धर्मपत्नी तथा अन्य सैन्य अधिकारियों को ब्रह्माकुमारीज संस्था व उनके द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी,साथ ही उन्हें राजयोग अभ्यास के लिए प्रेरित किया। बीईजी कमांडेंट ब्रिगेडियर केपीसिंह ने कहा कि वे अपने सैनिकों के लिए ब्रह्माकुमारीज का एक ध्यान योग शिविर लगवाएंगे, जिसके लिए उन्होंने ब्रह्माकुमारीज शिक्षिका बीके गीता दीदी को आमंत्रित भी किया।

विनोद पाल हत्याकांड का खुलासा: बाबूगढ़ पुलिस व स्वाट टीम ने आरोपी को किया गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। थाना बाबूगढ़ पुलिस और जनपदीय स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो दिन पूर्व बछलौता रोड स्थित अभय इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में हुई विनोद पाल की हत्या की घटना का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का जला हुआ मोबाइल फोन, खून से सने जले हुए कपड़े तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है ।पुलिस के अनुसार 11/12 मार्च 2026 की रात थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के बछलौता रोड स्थित अभय इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में विनोद पाल का शव मिला था। अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से गला रेतकर उनकी हत्या की गई थी। सूचना मिलते ही उच्चाधिकारी, फॉरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया था ।जनपद में अपराध की रोकथाम और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस और जनपदीय स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए थाना बाबूगढ़ में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 78/2026 धारा 103(1), 238 बीएनएस का सफल अनावरण कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रितिक कुमार पुत्र मुन्नू निवासी ग्राम छपकौली थाना बाबूगढ़ जनपद हापुड़ के रूप में हुई है।

अफवाहों पर ध्यान न दे, जिलें में गैस एवं पेट्रोल/डीजल की कोई कमी नहीं है : डीएम जसजीत कौर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि गैस सिलेण्डर की किल्लत एवं पेट्रोल / डीजल की कमी का समाचार प्रसारित हो रहा है, जोकि पूरी तरह अफवाह पर आधारित है। उन्होंने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि वर्तमान में सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से घरेलू पदार्थों का रिजर्व स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। वर्तमान में बेबुनियाद अफवाहों पर उपभोक्ताओं द्वारा अधिक बुकिंग करने से सर्वर पर अधिक लोड होने के कारण गैस बुकिंग में समस्या आ रही है, जिसे ठीक कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों की बुकिंग की प्रक्रिया में परिवर्तन किया गया है, जिसके अंतर्गत दो सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिन का अंतराल निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में किसी भी अवैध भंडारण एवं जमाखोरी अथवा कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आपूर्ति विभाग द्वारा निरंतर टीमों के माध्यम से जांच की जा रही है। प्रश्नगत स्थिति पर गंभीरता से प्रशासन के द्वारा नजर रखी जा रही है तथा तेल कंपनियों के विक्रय अधिकारियों के द्वारा पहले की अपेक्षा सप्लाई में बढ़ौतरी की सूचना दी गई है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया है कि अफवाहों पर ध्यान न दे, जिलें में गैस एवं पेट्रोल एवं डीजल की कोई कमी नहीं है।

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में नवजात शिशुओं की देखभाल और जीवनरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा के अनवरपुर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल,हापुड़ के कॉलेज ऑडिटोरियम में बेसिक नियोनेटल रेससिटेशन प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं की देखभाल एवं प्रसव सेवाओं से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों की जीवनरक्षक कौशल क्षमता को मजबूत बनाना था ।बेसिक नियोनेटल रेससिटेशन प्रोग्राम एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों को उन नवजात शिशुओं के प्रबंधन के लिए आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, जिन्हें जन्म के तुरंत बाद सांस लेने में कठिनाई होती है।

प्रशिक्षण के दौरान नवजात शिशु का प्रारंभिक मूल्यांकन, वायुमार्ग प्रबंधन, प्रभावी वेंटिलेशन तथा उन नवजातों को स्थिर करने की तकनीकों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया, जो जन्म के बाद पर्याप्त रूप से सांस नहीं ले पाते। यह कार्यक्रम इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स तथा नेशनल नियोनैटोलॉजी फोरम द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया।

इस कार्यशाला का संचालन डॉ. योगेश कुमार गोयल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (बाल रोग विभाग), सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। शैक्षणिक सत्रों एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण का संचालन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया गया, जिनमें डॉ. ब्रजेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, के.एस.जी.एम.सी. मेडिकल कॉलेज (कोर्स समन्वयक), डॉ.मनीष अग्रवाल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज, ड ा ॅ . अ न ा ु प ा म ा ा वर्मा, प्रोफेसर, एल.एल.आर.एम. मेडिकल कॉलेज,तथा डॉ. विवेक त्यागी, एसोसिएट प्रोफेसर, टी.एम.यू. मेडिकल कॉलेज शामिल रहे ।यह कार्यक्रम आयोजन समिति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें डॉ. योगेश कुमार गोयल (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,बाल रोग विभाग),डॉ.सी.एस.(मेजर जनरल) अहलुवालिया,चिकित्सा अधीक्षक, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज,डॉ. बरखा गुप्ता, डीन एवं प्रिंसिपल,तथा डॉ.अंशुमान श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विभाग,जी.एस. मेडिकल कॉलेज एवं इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सचिव, गाजियाबाद शामिल रहे ।इस प्रशिक्षण कार्यशाला में बाल रोग विभाग तथा संबंधित विभागों के फैकल्टी सदस्यों, स्नातकोत्तर छात्रों, इंटर्न्स, जूनियर डॉक्टरों, प्रसव एवं नवजात देखभाल से जुड़े नर्सिंग स्टाफ तथा लेबर रूम और नियोनेटल यूनिट में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इंटरैक्टिव व्याख्यान, सिमुलेशन आधारित डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल कौशल सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने नवजात आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया।

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला पीजी कॉलेज में कंप्यूटर सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माधवपुरम मेरठ में 27 फरवरी 2025 को दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में कंप्यूटर सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अंजू सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि महाविद्यालय समय-समय पर छात्राओं को इस प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराता रहेगा, जिससे वे तकनीकी रूप से सक्षम बन सकें।कंप्यूटर सर्टिफिकेट कोर्स के संयोजक डॉ. आशीष पाठक ने बताया कि आज के तकनीकी युग में कंप्यूटर दक्षता विद्यार्थियों के व्यावसायिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।इस कोर्स में महाविद्यालय की 30 छात्राएँ पंजीकृत हैं, जिन्हें प्रतिदिन महाविद्यालय में प्रशिक्षण दिया जाएगा।दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मेरठ के डीन (एकेडमिक्स) डॉ. शेखर पुंडीर ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा डिजिटल गैप को दूर करने की यह पहल सराहनीय है और इससे छात्राओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त होगा।कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. उषा साहनी, डॉ. गौरी गोयल, डॉ. दीपा गुप्ता एवं डॉ. ऋचा राणा रहे। कार्यक्रम में आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. लता कुमार, नैक प्रभारी डॉ. सत्यपाल सिंह राणा, डॉ. गजेन्द्र सिंह, डॉ. लोकेश कुमार तथा दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज मेरठ से धरमवीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में डॉ. गौरी गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहारनपुर दौरा मां शाकुंभरी देवी सिद्धपीठ मे निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शक्तिपीठ मां शाकुंभरी देवी के दर्शन हेतु रवाना हुए। मुख्यमंत्री का काफिला सहारनपुर शहर से सीधे शिवालिक की पहाड़ियों में स्थित सिद्धपीठ पहुंचा, जहां उन्होंने माता के चरणों में मत्था टेककर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। दर्शन-पूजन के पश्चात मुख्यमंत्री ने सिद्धपीठ परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण और सुंदरीकरण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। राज्य सरकार द्वारा इस पौराणिक तीर्थ स्थल को भव्य रूप देने के लिए करोड़ों की योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विश्रामालय, बेहतर सड़कें और सुरक्षा के इंतजाम शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि: सभी निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए बुनियादी ढांचे को और मजबूत किया जाए। इस दौरे को क्षेत्र के पर्यटन और आध्यात्मिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सड़क सुरक्षा के तहत पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा निकाली जनजागरुकता रैली

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। बागेश्वर पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जनजागरुकता रैली में स्कुली बच्चों व पुलिस ने प्रतिभाग कर आमजनमास को यातायात के नियमों का पालन करने हेतु जागरुक किया। दोपहिया वाहन चालको को पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मेहरा द्वारा हेलमेट प्रदान किये व स्कुली बच्चों को यातायात के नियमों का पालन करवाने और जनजागरूकता हेतु पुरुस्कृत किया गया। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरुकता रैली के दौरान बागेश्वर नगरवासियों को वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने व सीट बेल्ट पहनने, शराब पीकर वाहन ना चलाने, रैस ड्राईविंग व यातायात के नियमों का पालन करने हेतु जागरुक किया गया। जनजागरूकता कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मेहरा ,एआरटीओ अमित कुमार , पुलिस उपाधीक्षक यातायात मनीष शर्मा , प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अनिल उपाध्याय, एसपी पीआरओ एसआई दीपक बिष्ट,महिला हेल्प लाइन प्रभारी एसआई मीना रावत, एसआई खुशवंत सिंह, एसआई निर्मला पटवाल, एसआई अर्जुन सिंह,यातायात प्रभारी चंदन सिंह,ट्रैफिक पुलिस के जवान, व कोतवाली पुलिस सेमुख्य हमराह जय कुमार, सुरेश आर्य, व परिवहन विभाग कर्मी तनुज नेगी,सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र और शिक्षकों ने भी प्रतिभाग किया।

आँखों की नियमित जाँच जरूरी-डॉ0पूनम परिहार

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में नॉर्दर्न ऐरोमेटिक्स द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के सहयोग से चुन्नीलाल मेडिकल ट्रस्ट व संदेश संस्था द्वारा नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा कुल 86 मरीजों के नेत्रों की जाँच की गई।शिविर के बारे में जानकारी देते हुए संस्था की सचिव पूनम परिहार ने बताया कि आंखें हमारे शरीर का सबसे नाजुक व महत्वपूर्ण अंग हैं। आँखों के बिना जीवन की परिकल्पना करना भी बहुत कठिन काम है। बढ़ती गर्मी मेंआंखों की नियमित देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता हैं। क्योंकि नेत्रों के बिना जीवन बहुत कठिन हो जाता हैं। आमजन की इसी समस्या को देखते हुए संस्था द्वारा शिविर का आयोजन किया गया।जिसमे मरीजों के नेत्रों की जाँच की जाती हैं।जिसमें मोतियाबिंद की पहचान कर उनका ब्लड प्रेशर व शुगर की जाँच की जाती हैं। जाँच में सही पाये जाने पर उनका निःशुल्क ऑपरेशन आई लॉयन्स हॉस्पिटल में कराया जाता हैं। तथा मरीजों को एक सप्ताह की दवाईयाँ भी निःशुल्क दी जाती हैं। सहायक प्रबन्धक राहुल सक्सेना ने बताया कि नॉर्दर्न ऐरोमेटिक्स के सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत सहयोग कर इस तरह के शिविरों का आयोजन कर स्वास्थ्य के प्रति विभिन्न प्रकार से लाभान्वित करने का प्रयास किया जाता हैं। इस वर्ष में अंतिम शिविर लगाया गया। संस्था के परियोजना समन्वयक स्वास्थ्य सुमित राणा ने बताया कि शिविर से पहले आसपास के गाँवों में संस्था की टीम द्वारा प्रचार किया जाता हैं।

मुरादाबाद पहुंचे जेपी नड्डा ने छात्रों को दी डिग्री, कहा- 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा शनिवार को तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। यहां पर उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री दी और उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नड्डा ने कहा कि आजादी के बाद जितना विकास अब हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे बदलाव का इंतजार नहीं करें, बल्कि उस बदलाव का हिस्सा बनकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इंजीनियरिंग और मेडिकल क्षेत्र में मेधावी विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं और अवसर उपलब्ध करा रही है। स्टूडेंट्स को डिग्री वितरित करने के बाद नड्डा ने कहा कि आप सभी को आपके संकल्प और मेहनत की वजह से ये डिग्रियां मिल रही हैं। नड्डा ने कहा कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा और आप इसको अपनी आंखों से देखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य आपके हाथों में है और देश को विकसित बनाने में आपकी बड़ी जिम्मेदारी है।

शिविर के द्वितीय दिवस का मुख्य विषय 'सामाजिक कुरीतियां और उनका समाधान' रहा

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। आर.एस.एम. कॉलेज, धामपुर (बिजनौर) की राष्ट्रीय सेवा योजना (छात्र इकाई) के सात दिवसीय विशेष शिविर का द्वितीय दिवस ग्राम सरकड़ा-चकराजमल में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रवि धनकड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। द्वितीय दिवस का मुख्य विषय 'सामाजिक कुरीतियां और उनका समाधान' रहा। जिसके माध्यम से स्वयंसेवकों ने समाज में व्याप्त बुराइयों के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल सभी स्वयंसेवकों द्वारा योगाभ्यास से हुई। इसके पश्चात धर्मशाला परिसर में साफ-सफाई तथा पौधों की सिंचाई की गई। इसके बाद प्रतिदिन के मेन्यू के अनुसार स्वयंसेवकों द्वारा पौष्टिक नाश्ते के रूप में चना तैयार किया गया। जिसे सभी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया। प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों ने ग्राम सरकड़ा-चकराजमल में 'जन-जन ने यह ठाना है, भारत को नशा मुक्त बनाना है' और 'हम सबका है एक ही नारा, नशा मुक्त हो देश हमारा' जैसे नारों के साथ जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशे जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवक सुजल, सोहित, आदित्य प्रताप, आयुष, संजय, राजा, देवराजूत और शिवम ने नशा मुक्ति विषय पर एक प्रेरणादायक नाटक भी प्रस्तुत किया।

आगरा परिवार परामर्श केंद्र ने बचाए 5 परिवार

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नर, आगरा के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र में आपसी मतभेदों के चलते अलगाव की ओर बढ़ रहे 5 दंपत्तियों (परिवारों) का कुशल काउन्सलर्स द्वारा परामर्श कराकर पारिवारिक जीवन में पुनः सामंजस्य स्थापित कराया गया। परामर्श की प्रक्रिया के पश्चात पति-पत्नी/परिवारीजनों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने का संकल्प लिया, जिससे न केवल परिवार टूटने से बचे, बल्कि उनके बच्चों और परिजनों का भविष्य भी सुरक्षित हुआ।

इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य परिवारों को टूटने से बचाना और उनके बीच सामंजस्य स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र परिवारों के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय स्थान है जहां वे अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं।

ईद के तोहफे बांटकर सपा नेता रेहान खान ने दिया भाईचारे का संदेश

मोहम्मद असलम

लखीमपुर खीरी(वेलकम इंडिया)। शनिवार 14-03-2026 को रमजान के मुकद्दस महीने में जहां हर ओर इबादत और रहमत का माहौल है, वहीं पलिया विधानसभा क्षेत्र में आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की एक खूबसूरत मिसाल देखने को मिली।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने अपने आवास पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर जरूरतमंद लोगों को ईद के तोहफे वितरित किए और समाज में एकता व सौहार्द का संदेश दिया।

पीडीए के बैनर तले आयोजित हुआ कार्यक्रम

'पीडीए' के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में पलिया क्षेत्र से बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग पहुंचे। आगामी ईद के त्योहार को ध्यान में रखते हुए लोगों को विशेष उपहार दिए गए।

कार्यक्रम में सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने भाग लिया। हिंदू महिला को भी दिया गया ईद का तोहफा कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें हिंदू समाज के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एक हिंदू महिला को भी सम्मानपूर्वक ईद का तोहफा दिया गया, जिससे वहां मौजूद लोगों ने हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे की सराहना की।

भेदभाव रहित सेवा ही असली इबादतः रेहान खान

इस मौके पर रेहान खान ने कहा कि त्योहारों का असली मकसद खुशियां बांटना और जरूरतमंदों की मदद करना है।

जब समाज के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होते हैं, तभी त्योहारों की असली खुशी मिलती है। रमजान का महीना इंसानियत, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है।

क्षेत्रवासियों ने की सराहना-स्थानीय लोगों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और विश्वास और मजबूत होता है।

फतेहपुर सीकरी में कैला देवी पदयात्रा और उर्स मेला के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई चाक-चौबंद

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। मेंप्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, आगरा आदित्य कुमार द्वारा थाना फतेहपुर सीकरी कस्बा क्षेत्र में कैला देवी पदयात्रा एवं उर्स मेला के दृष्टिगत स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी ने कैला देवी पदयात्रा और उर्स मेले को सकुशल संपन्न कराने तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की। प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी ने उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारीगण को सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैला देवी पदयात्रा और उर्स मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना आवश्यक है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अलर्ट रहने और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी ने मेले के गेट, पार्किंग स्थल और अन्य संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मामूली कहासुनी के बाद युवक की डंडों-बेल्टों से पिटाई, घटना सीसीटीवी में कैद

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के गंगेरू मार्ग पर मोहल्ला खेल में मामूली कहासुनी के बाद एक युवक के साथ चार युवकों द्वारा डंडों व बेल्टों से मारपीट कर दी। मारपीट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद आरोपी युवक को घायल अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। और थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी खुशनुदा पत्नी शमशेर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका पुत्र अजहर शुक्रवार देर शाम पास की मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए गया था। आरोप है कि उसी दौरान पड़ोस के चार युवकों से किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर आरोपियों ने अजहर पर डंडों और बेल्टों से हमला कर दिया।

मारपीट की घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए, लेकिन आरोपी युवक को घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए । परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया इसके बाद पीड़ित की मां ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है।

भैंस चोरी की रंजिश में घर में घुसकर मारपीट व महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही कई महिला-पुरुषों सहित हरियाणा के दो लोगों पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने और घर में घुसकर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में नामजद तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी एक व्यक्ति ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि विगत 10 अक्टूबर 2025 को गांव के ही दो लोगों ने उसकी एक भैंस और एक भैंसा चोरी कर लिया था। इस संबंध में उसने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर दी थी। उसी मामले को लेकर आरोपी तब से पीड़ित और उसके परिवार से रंजिश रखते हैं।पीड़ित का आरोप है कि दो दिन पूर्व उसके मोबाइल फोन पर हरियाणा निवासी एक व्यक्ति का कॉल आया, जिसने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से उसका परिवार भयभीत है।आरोप है कि विगत शुक्रवार की शाम जब पीड़ित ने इस मामले का विरोध किया तो उसके पड़ोस के आधा दर्जन से अधिक महिला-पुरुष लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने पीड़ित और उसके परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने घर की महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए उनके कपड़े तक फाड़ दिए।

गजल संग्रह 'बिखरे हुए पर' के लिए डॉ. कविता विकास को 'साहित्य भूषण सम्मान'

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटबुक्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वार्षिक 'साहित्यकार सम्मान उत्सव' में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कविता विकास को उनके चर्चित गजल संग्रह 'बिखरे हुए पर' के लिए प्रतिष्ठित 'साहित्य भूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शनिवार को होटल क्राउन प्लाजा, मयूर विहार डिस्ट्रिक्ट सेंटर, दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. कविता विकास की इस गजल पुस्तक को पूर्व में जयपुर साहित्य संगीति द्वारा भी अखिल भारतीय सम्मान प्राप्त हो चुका है।

डॉ. कविता विकास हिंदी साहित्य जगत की प्रतिष्ठित रचनाकार हैं। उनके कहानी, कविता, गजल और निबंध संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं तथा वे अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादन से भी जुड़ी रही हैं।

साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। दूरदर्शन, आकाशवाणी तथा विभिन्न टीवी चैनलों पर भी वे समय-समय पर कविता पाठ और साहित्यिक चचाओं में सहभागिता करती रही हैं।

इंडिया नेटबुक्स के सीईओ डॉ. संजीव कुमार और श्रीमती मनोरमा के संयोजन में आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार बलदेव भाई, सुरेन्द्र मोहन पाठक, श्याम सखा श्याम, ममता कालिया, बुद्धिनाथ मिश्र, गिरीश पंकज, संतोष चौबे सहित देशभर की अनेक साहित्यिक विभूतियाँ उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन साहित्य सृजन को नई ऊर्जा देते हैं और रचनाकारों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े साहित्यकारों को भी सम्मानित किया गया।

किसान गोष्ठी में मिल के सीसीओ के. पी सिसोदिया ने किसानों को उन्नत बीज व सब्सिडी पर दवा की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शनिवार को चीनी मिल अनूपशहर के अधिकारी कर्मचारियों ने किसान नेता ज्ञानेंद्र सिंह राघव के रोरा अनूपशहर स्थित आवास पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें वसंत कालीन गन्ना बुवाई एवं गन्ना में लग रहे रोगों व मिल की ओर से दिए जाने वाली बीज, दवा व सब्सिडी की जानकारी मुख्य गन्ना अधिकारी कुशल प्रताप सिसोदिया ने दी।किसानों की ओर से समस्या रखते हुए निवर्तमान डेली गेट किसान नेता ज्ञानेंद्र सिंह राघव व कीरत लाल कश्यप, नवीन चौहान ने किसानों को मिल पर गन्ना कि ट्रॉली खलने में आ रही दिक्कत व गन्ना के उन्नत किस्म के बीज व दवाओं को सब्सिडी पर दिलाए जाने की मांग की, जिस पर मिल की ओर से चल रही योजनाओं की जानकारी देते हुए सीसीओ के.पी सिसोदिया ने गन्ना बोने से पूर्व खेत की एक बार गहराई से जुताई करने, बीज शोधन करने व उपयुक्त सिंचाई व संतुलित मात्रा में उर्वरक डाले व गन्ना में लगे रोगों व मिल कि ओर से उन्नत गन्ना के बीजों के बारे में जानकारी देते हुए गन्ना में लगी रेड रोस्ट बीमारी के कारण पैदावार कम हो रही हैं। गन्ना में लगने वाले रोग के बचाव को 50% तक की छूट पर मिल के गोदाम से दिए जा रहे दवा आदि पर जानकारी देते हुए सभी कृषको से मिल कि योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया तथा सभी समस्याओं का समय से निस्तारण का आश्वासन दिया।किसान गोष्ठी की अध्यक्षता चीनी मिल के डेलीगेट बाबा तेज सिंह व संचालन किसान व कांग्रेस नेता ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने किया किसान गोष्ठी में ठाकुर सोमवीर सिंह, प्रदीप चौहान, अशोक राघव, किरत लाल कश्यप, लाला सैनी नेपाल सिंह, बिन्नामी व देवेंद्र व राकेश सिंह पवार, ग्राम प्रधान राय सिंह, गजेंद्र बघेल, कांति जाटव, मनोज शर्मा, किरण पाल शर्मा, परविंदर शर्मा, मुकेश राघव, प्रताप सिंह कुशवाहा, क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपक कुशवाहा, सहित दर्जन कृषक सम्मिलित रहे।

मानुष जे.पी. अस्पताल चिट्टा द्वारा लगे निशुल्क कैंप में 75 की हुई जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कृष्ण कुमार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में शनिवार को मानुष जे.पी.अस्पताल चिट्टा द्वारा निशुल्क कैंप लगाया गया जिसके मुख्य अतिथि अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह व उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष मुकेश गर्ग द्वारा फीता काटकर किया गया। विद्यालय में लगे कैंप में शुगर ब्लड प्रेशर की जांच कर निशुल्क दवाइयां दी गई। जिसमें डॉक्टर अब्दुल कादिर, मोहिनी शर्मा, खुशबू सिंह, ललित कुमार, केपी सिंह की उपस्थिति में 15 व्यक्तियों की ईसीजी हुई और 60 मैरिज ब्लड शुगर से संबंधित आए। व्यापार मंडल के पुरुषोत्तम वार्ष्णेय, वीरेंद्र गर्ग, विजय गर्ग, विद्यालय के प्रबंधक धर्मेंद्र गर्ग, पवन कुमार गर्ग, आशीष सैफी, ओम सिंघल हेमराज शर्मा शुभम सिंघल, वंदना जैन आदि उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर(बुगरासी)। स्याना कोतवाली में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान दो शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा ने की। प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की एक संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया। संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों का समयबद्ध और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि सभी शिकायतों के निष्कर्ष और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने कन्हैयालाल बाल्मिकी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। खुर्जा लोकसभा क्षेत्र से प्रथम सांसद एवं स्वतंत्रता सेनानी कन्हैयालाल बाल्मिकी की 107वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कहा कि कन्हैयालाल बाल्मिकी ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आजादी के बाद खुर्जा से प्रथम सांसद बनकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि वे सामाजिक सद्भाव और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित नेता थे, जिनके आदर्शों का अनुसरण समाज को करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि बुलंदशहर और खुर्जा में उनके नाम पर सड़क और पार्क का नाम रखने की मांग को लेकर जल्द आंदोलन किया जाएगा। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शिवराम बाल्मिकी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गांधी तथा प्रशांत बाल्मिकी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बाल्मिकी समाज को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल बाल्मिकी और हरि सिंह बाल्मिकी जैसे नेताओं ने जिले को नई पहचान दी।

साथ ही उन्होंने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जियाउर्रहमान, सुभाष गांधी, शिवराम बाल्मिकी, प्रशांत बाल्मिकी, विमलेश बाल्मिकी, नईम मंसूरी, साहिल खान, महेश कुमार, संजय बाल्मिकी, रामरतन सिंह, आशीष प्रधान, धर्मचंद राठी, वीर सिंह, जेपी शर्मा, एसपी सिंह राजोरा, रमेश राठौर, सुरेन्द्र उपाध्याय, ज्ञानेंद्र सिंह और कृष्ण कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सांगठ की बदल रही तस्वीर, ग्रामीणों ने की सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। क्षेत्र पंचायत बघौली सागठ, के ग्राम प्रधान सुमन यादव, व प्रतिनिधि सरबजीत यादव,द्वारा बीते 15 वर्षों से किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। गांव के विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रधान प्रतिनिधि ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कराया है, जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिला है। ग्राम प्रधान ने बताया कि स्कूल का कायाकल्प,सीसी रोड इंटरलॉकिंग, आवास, शमशान भूमि पंचायत भवन अंडरग्राउंड नाली,और बुनियादी सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।इसी क्रम में,सीसी रोड का निर्माण तथ के भूमिगत नाली का निर्माण कराया गया है। इन कार्यों से गांव की साफ-सफाई, आवागमन और जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

दो लाख से अधिक किसानों के बैंक खाते में पहुंची सम्मान निधि

संदीप तिवारी

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। जनपद के दो लाख से अधिक किसानों के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि की धनराशि प्रधानमंत्री द्वारा भेज दी गयी। शुक्रवार को शाम 5 बजे गुवाहाटी(असम) में आयोजित ₹पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम₹ में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ₹किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत₹ किसानों को 22 वीं किस्त हस्तांतरित की गयी। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेब लिंक के माध्यम से जनपद के सभी 8 विकास खण्डों की सभी न्याय पंचायतों में किया गया। कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र कल्लीपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने किया। उक्त कार्यक्रम के पूर्व फार्मर रजिस्ट्री कैम्प का आयोजन करके रामलाल मौर्य, छेदी पाल, काशी नरेश सिंह,जितेन्द्र नारायण पाण्डेय एवं गुलाब चन्द्र यादव आदि किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गयी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा उपरोक्त पांच किसानों को फार्मर रजिस्ट्री का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

ऊंचा गांव सरकारी अस्पताल में इलाज न मिलने पर महिला की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। ऊंचागांव के सरकारी अस्पताल में इलाज न मिलने पर एक महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डाक्टरों ने अस्पताल के गेट को बंद कर रखा था। कई बार दरवाजा खटखटाया भी लेकिन किसी ने गेट नही खोला। जिसके कारण महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डाक्टरों के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। ऊंचा गांव निवासी निर्मला पत्नी शान्ति स्वरूप की तबियत शनिवार को अचानक खराब हो गई थी। परिजन फौरन ऊंचा गांव के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उस समय अस्पताल में कोई कर्मचारी नहीं था। परिजनों ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला। महिला की हालत बिगडती देख परिजन फौरन एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गये लेकिन वहां के डाक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए जिला के सरकारी अस्पताल को रैफर कर दिया।

परीक्षा की शुचिता सर्वोपरि: उ0नि0 भर्ती परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक का सख्त निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उ0नि0 नागरिक पुलिस भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मौलाना आजाद इण्टर कॉलेज, एचआर पीजी कॉलेज, राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज, नेहरू कृषक इण्टर कॉलेज सहित अन्य परीक्षा केंद्रों पर पहुँचकर वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था, व्यवस्थापन एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, अभ्यर्थियों के लिए सुगम एवं व्यवस्थित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न होने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अनुचित गतिविधि अथवा नकल से संबंधित प्रयासों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारीगण पूर्ण सतर्कता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उ0नि0 नागरिक पुलिस भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

सेमरियावां क्षेत्र पंचायत की बैठक 25 मार्च को ब्लाक सभागार में 16 बिंदुओं पर होगी चर्चा

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। सेमरियावां क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लाक प्रमुख मजहरून्निसां की अध्यक्षता में आगामी 25 मार्च को अपराहन 12 बजे ब्लाक सभागार में होगी। उक्त जानकारी मुख्य कार्यपालक अधिकारी/ खंड विकास अधिकारी धर्मेश कुमार पाण्डेय ने दी है। उन्होंने बताया कि बैठक में 16 बिंदुओं पर विचार किया जाएगा।

शाम से शुरू हो जाता है मच्छरों का प्रकोप, मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का खतरा

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। विकास खंड सेमरियावां क्षेत्र के गांवों में शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप शुरू हो जाता है। जिससे मच्छरजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। जानकारी व मांग के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। सेमरियावा ब्लाक क्षेत्र के गांव दुधारा, दरियाबाद, मदारपुर, धुसुरा, जातेडीहा, भरवलिया, परसाशेख, बजहरा, कोहरियावा, भंगुरा अहिरानी सहित दर्जनों गांवों में शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप शुरू हो जाता है। अभी तक गाँव में दवाओं का छिड़काव तक नहीं कराया गया है। बढ़ते मच्छरों का प्रकोप से मच्छरजनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीण अब्दुल हकीम, अजीज अहमद, खुर्शीद आलम, अब्दुल्लाह, नूरुल्लाह, इब्राहिम सिद्दीकी, चन्द्रशेखर उपाध्याय, अब्दुस्सलाम, फखरे आलम, मुकेश श्रीवास्तव सहित दर्जनों लोगों ने प्रशासन से उत्पन्न समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

श्री पीताम्बरा आश्रम में फाग राग रस-रंग महोत्सव रविवार को,वयोवृद्ध भजन गायकों को दिया जाएगा 'भजन शिरोमणि सम्मान

बाँसवाड़ा(वेलकम इंडिया)। गायत्री मण्डल की ओर से यहां वनेश्वर महादेव मन्दिर के पास संचालित श्री पीताम्बरा आश्रम में 15 मार्च, रविवार को प्रात: 10 से दोपहर 1 बजे तक फागोत्सव मण्डल के तत्वावधान में फाग–राग रस रंग महोत्सव आयोजित होगा। इसमें मशहूर भजन गायकों एवं भजनानन्दियों की टीम विभिन्न लोक वाद्यों की संगत पर होली–फागुनी भजन प्रस्तुत करेगी। इस दौरान फागोत्सव मण्डल के अध्यक्ष विनोद जोशी एवं सचिव 'किंकर' कपिल जोशी के निर्देशन में प्रसिद्ध भजन गायकों की प्रस्तुतियों से रसिक श्रोता एवं भक्तगण लाभान्वित होंगे। रविवार को होने वाले फाग महोत्सव की तैयारियों को लेकर शनिवार शाम गायत्री मण्डल के मुख्य संरक्षक, पूर्व आयुक्त दिलीप गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजन समिति की बैठक हुई। इसमें उपाध्यक्ष अनिमेष पुरोहित, कोषाध्यक्ष अनन्त जोशी, आजीवन सदस्य चन्द्रेश व्यास, पीताम्बरा परिषद के सह संयोजक मधुसूदन व्यास, पं. मनोज भट्ट 'शास्त्री' आदि ने हिस्सा लिया। अवगत कराया गया कि महोत्सव के दौरान गायत्री मण्डल की ओर से वागड़ की प्राचीन भजन–कीर्तन व फागोत्सव परम्परा की दशकों से सेवाएं करने वाले वयोवृद्ध सत्संगी भजन गायकों को 'भजन शिरोमणि सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार भजन गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहभागिता के लिए भजन गायकों को 'भजन गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व विधायक जय चौबे ने भव्य कलश यात्रा के साथ किया हनुमत महायज्ञ का शुभारंभ, 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंजा बूधा कला

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद के सेमरियावां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बूधा कला में आयोजित 'श्री मारुति नंदन हनुमत महायज्ञ' का आज अत्यंत भव्य और भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के प्रथम दिन आयोजित कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने विधि-विधान के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ किया। आयोजन मंडल ने फूल-माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जय चौबे ने हजारों श्रद्धालुओं के साथ लगभग एक किलोमीटर की पैदल यात्रा तय की, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।इस सात दिवसीय अनुष्ठान के दौरान संगीतमय श्रीराम कथा के साथ-साथ आकर्षक झांकियों का भी आयोजन किया जाएगा। भव्य कलश यात्रा के दौरान पूरा वातावरण 'जय श्री राम' के नारों से गुंजायमान रहा। समारोह में विधायक प्रतिनिधि अवधेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजेंद्र पांडे, धर्मेंद्र नाथ तिवारी 'आडवाणी', रजनीश तिवारी, बैजनाथ पाठक, अजय पांडे, हरिश्चंद्र शुक्ला, गुलाब शुक्ला, राम शंकर शुक्ला, राम शंकर चौरसिया और सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी कलश यात्रा में सम्मिलित हुए।

मुमरेजपुर गांव में शराब के ठेके पर महिलाओं का हंगामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर में शनिवार को करीब 11:00 बजे शराब के ठेके पर महिलाओं ने जमकर हंगामा किया महिलाएं हाथों में डंडे लेकर पहुंची और ठेका बंद करने की मांग की महिलाओं का आरोप है कि गांव में शराब के ठेके के कारण उनके घरों में कलह बढ़ गई है उनके पति और अन्य पुरुष शराब पीकर घर पर मारपीट करते हैं जिससे परिवार में अशांति फैल रही है सुबह होते ही गांव की कई महिलाएं इकट्ठा होकर ठेके पर पहुंची और लगभग आधा घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया उन्होंने ठेके को तत्काल बंद करने की मांग की ठेके पर कार्यरत सुरेंद्र सिंह और अशोक कुमार ने बताया कि कुछ महिला रात में भी ठेके पर आई थी सूचना मिलने पर अहमदगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमचंद शर्मा ने पुलिस को मौके पर भेजा पुलिस ने महिलाओं को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया।

इंद्रप्रस्थ कॉलेज में सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। नागल इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी सहारनपुर में चल रहे सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन डॉ एस सी कुलश्रेष्ठ ने ध्वजारोहण करके किया। इसके पश्चात देश के तिरंगे को सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाया गया। इसके पश्चात मार्च पास्ट छात्रों द्वारा निकाला गया। समापन समारोह में सभी खेलों के फाइनल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें बैडमिंटन में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान रक्षित राणा व प्रणव तथा महिला वर्ग में प्रथम स्थान ज्योति व अग्रिम ने प्राप्त किया। खो खो पुरुष वर्ग में बीसीए की टीम विजेता रही। इसके अलावा खो खो महिला वर्ग में बीपीईएस की टीम विजेता रही। वॉलीबॉल में पॉलिटेक्निक की टीम ने जीत हासिल की तथा द्वितीय स्थान पर बीपीईएस की टीम रही। शतरंज में प्रथम स्थान पूजा रानी तथा द्वितीय स्थान अनुष्का ने प्राप्त किया। इसके अलावा क्रिकेट में बीपीईएस की टीम विजेता रही तथा पूरी टीम को चैंपियन ट्रॉफी से नवाजा गया। कबड्डी पुरुष वर्ग में बीपीईएस की टीम विजेता रही तथा महिला वर्ग में बीए की टीम ने जीत हासिल की। योग में प्रथम स्थान अनुष्का शर्मा ने प्राप्त किया। इसके अलावा 100 मीटर दौड़ में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान अक्षत सैनी, द्वितीय स्थान हर्ष, व तृतीय स्थान मनीष ने प्राप्त किया तथा 100 मी महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राची मलिक, द्वितीय स्थान शीतल तथा तृतीय स्थान आरुषि ने प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान आशीष, द्वितीय स्थान अक्षित व तृतीय स्थान सौरभ ने प्राप्त किया। 400 मी पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान हर्ष, द्वितीय स्थान बादल व तृतीय स्थान आशीष ने प्राप्त किया। इसके अलावा 400 मी महिला वर्ग में प्रथम स्थान सिमरन, द्वितीय स्थान तनु व तृतीय स्थान ज्योति ने प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में 1600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान अवनीश, द्वितीय स्थान अभिषेक, तृतीय स्थान बादल में प्राप्त किया तथा 1600 मी महिला वर्ग में प्रथम स्थान रितु कश्यप ने प्राप्त किया। रस्साकशी में पुरुष वर्ग में बीपीईएस की टीम विजेता रही तथा विजेता छात्रों में पुष्पेंद्र, सौरभ, आलोक, रजनीश ,निशांत, रक्षित अभिषेक, दीक्षित ,हर्षित रहे। रस्साकशी में महिला वर्ग में भी विजेता टीम बीपीईएस की रही जिसमें विजेता छात्रों में पूजा, मानसी, रूपल, अंशु ,सिमरन, प्राची, तनु ,नंदिनी ,अंशिका रहे। संस्था के चेयरमैन डॉ एस सी कुलश्रेष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक सप्ताह से महाविद्यालय में खेलों का आयोजन कराया जा रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह, ऊर्जा और अनुशासन देखने को मिला है। उन्होंने कहा खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है खेल हमें केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की। संस्था की ग्रुप निदेशक डॉ अंजू वालिया ने कहा की खेलकूद में अनुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा अनुशासन के बिना खेल कूद का कोई महत्व नहीं रह जाता।

कब्रिस्तान पर कब्जे का आरोप उल्टा पड़ा, पैमाइश में ईदगाह की ही निकली जमीन

जाकिर तुर्क

मेरठ(वेलकम इंडिया)। शाहजहांपुर कस्बे में ईदगाह और कब्रिस्तान की जमीन को लेकर चल रहा विवाद शुक्रवार को प्रशासनिक पैमाइश के बाद पूरी तरह पलट गया। जिस भूमि को कब्रिस्तान का हिस्सा बताकर कब्जे के आरोप लगाए जा रहे थे, सरकारी नाप-जोख में करीब 40 मीटर जमीन ईदगाह की ही पाई गई। पैमाइश का परिणाम सामने आते ही शिकायतकर्ता के दावों पर सवाल खड़े हो गए और कस्बे में दिनभर इसी मुद्दे की चर्चा होती रही।

क्या है पूरा विवाद

कस्बे के सलमान खान पुत्र उमर दराज खान ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि गाटा संख्या 768/1 स्थित कब्रिस्तान की जमीन का एक हिस्सा ईदगाह कमेटी ने अपनी बाउंड्री में शामिल कर लिया है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि कब्रिस्तान में दफनाने से रोका जाता है या इसके बदले पैसे लिए जाते हैं। पिछले वर्ष ईद की नमाज के दौरान भी मिम्बर से यह मुद्दा उठाया गया था, जिससे कस्बे का माहौल काफी गरमा गया था।

सचिव व सेक्रेटरी ने खुद मांगी पैमाइश

आरोपों के बाद कब्रिस्तान प्रबंधन समिति के सचिव अमीर हसन खान व ईदगाह कमेटी के सेक्रेटरी डॉ मोहम्मद यूसुफ खान ने मामले को स्पष्ट करने के लिए खुद प्रशासन से सरकारी पैमाइश कराने की मांग की। उन्होंने उप जिलाधिकारी और मंडलायुक्त मेरठ को प्रार्थना पत्र देकर जमीन की आधिकारिक नाप-जोख कराने की मांग की थी, ताकि विवाद हमेशा के लिए खत्म हो सके।

पैमाइश में सामने आई सच्चाई

शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम लेखपाल के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी में जमीन की पैमाइश कराई गई। पैमाइश के दौरान सामने आया कि जिस हिस्से को लेकर विवाद खड़ा किया गया था, उसमें से करीब 40 मीटर ईदगाह की वैध जमीन कब्रिस्तान की सीमा के भीतर ही पाई गई।

आरोपों पर उठे सवाल

पैमाइश के बाद शिकायतकर्ता के आरोपों पर सवालिया निशान लग गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना पुख्ता जानकारी के ईदगाह कमेटी के सेक्रेटरी और सदस्यों पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद और बदनाम करने की नीयत से लगाए गए थे।

कस्बे में लोग इस पूरे घटनाक्रम को यूं बयां कर रहे हैं,मोम की सीढ़ी लगाकर छूने चले थे आसमां,चांद से चेहरे को यह कोशिश बड़ी महंगी पड़ी।

पैमाइश के दौरान मौजूद रहे

मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें तबारक उल्ला खान (चेयरपर्सन पति), चेयरमैन वसी उर्रहमान खान, पूर्व प्रधान अब्दुल कवी खान, डॉ. जफर उल्ला खान, मुस्लिम खान (पूर्व प्रधान), नदीम तय्यब खान, कसीम खान, वासिक पठान, जमील खान, अमीर फैसल खान, ईदगाह कमेटी के सचिव डॉ. मोहम्मद युसूफ खान, मजहर खान, ईदगाह के शाही इमाम मौलाना रफी कुज्जम्मा खान, आसिफ खान, जमीर खान (सभासद), नसीब आलम खान, रफीक खान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय कर्मचारी संघ होली मिलन समारोह मे शशिकांत श्रीवास्तव हुए सम्मानित

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय कर्मचारी संघ के होली मिलन समारोह में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष शशिकान्त श्रीवास्तव को फूल माला व समृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया और इस मौके पर सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने एकता का संकल्प लेकर कहा कि कर्मचारी समस्याओं के लेकर जब कभी परिषद/महासंघ का आह्वान होगा। जनपद के सभी संगठन एक होकर संघर्ष करेंगे तथा उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने एक दूसरे से गले मिलकर भाई चारा का संदेश दिया। समारोह में प्रमुख रुप से गया प्रसाद यादव,अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव,योगेन्द्र सिंह यादव,राजकुमार राम,राजेश सिंह, सुनील सिंह मंत्री राजकीय कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ, रामबदन यादव,जिलाध्यक्ष शमसेर अली मंत्री चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ,महेंद्र प्रसाद,अखिलेश चन्द्र श्रीवास्तव, सुरेश कुशवाहा,महेंद्र प्रसाद,शोभनाथ,जगदानंद पाठक आदि दर्जनों संयुक्त कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सशक्त उपभोक्ता बनना हम सबकी जिम्मेदारी: डॉ.वैभव जैन

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिकंदराबाद। विश्व उपभोक्ता जागरूकता दिवस के अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के नोएडा शाखा कार्यालय के अंतर्गत नवदीप सामाजिक विकास संस्था भारत के द्वारा आज जेएसपीजी कॉलेज सभागार में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज स्टाफ एवं वरिष्ठ छात्र-छात्राओं को सहभागी बनाकर मानकों एवं गुणवत्ता के महत्व पर आधारित भारतीय मानक ब्यूरो की नीति व कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. वैभव जैन एवं मुख्य वक्ता सचिन वर्मा स्वर्णकार ने माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ वैभव जैन ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो की नीतियां उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण करती है, हमें सशक्त उपभोक्ता बनकर बाजार में सतर्कता से खरीदारी करनी चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं नवदीप संस्था के परियोजना संयोजक सचिन वर्मा स्वर्णकार ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो बाजार में वस्तु की गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है। इसलिए सभी उपभोक्ताओं को इन अधिकारों की जानकारी विशेष रूप से होना जरूरी है। उन्होंने प्रयोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं पर आईएसआई मार्क, सोने व चांदी के के जेवरों पर लगने वाले हॉल मार्क तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगने वाले सीआरएस मार्क की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आम जनता को सोने व चांदी के जेवरों की खरीद में होने वाली धोखाधड़ी से बचने के लिए हॉल मार्किंग के प्रति जागरूकता लाने पर बल दिया।

वाराणसी कैंट स्टेशन पर भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान,35 भिखारी भेजे गए अपना घर आश्रम

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। सहायक उप निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी धर्मेंद्र कुमार यादव, हेड कांस्टेबल रमेश गौतम, हेड कांस्टेबल संजय व महिला कांस्टेबल सोनिया तथा क्यूआरटी टीम रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी तथा स्माइल परियोजना भारत सरकार की स्टाफ पूजा श्रीवास्तव महिला प्रकोष्ठ अपना घर आश्रम तथा उनके स्टाफ के द्वारा स्टेशन पर प्लेटफार्म पर बुकिंग हाल में भिक्षावृत्ति के रोकथाम के लिए अभियान चलाया गया जिसमें कुल 29 पुरुष एवं 6 महिला भिखारीयो कुल 35 को अपना घर आश्रम महिला प्रकोष्ठ पूजा श्रीवास्तव को वास्ते अग्रिम कार्रवाई सुपुर्द किया गया।

यह अभियान स्टेशन वाराणसी कैंट को स्वच्छ बनाए रखने तथा भिखारीयो को स्टेशन से दूर रखने एवं यात्रियों के सुखद यात्रा के साथ-साथ भिखारीयो के जीवन को सुधारने के लिए समय समय पर संयुक्त रूप से किया जाता है।

नख पे गिरिवर लियौ उठाय, नाम गिरधारी पायो है : संत चिन्मयानंद बापू

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा(गोवर्धन)। गिरिराज तलहटी बड़ी परिक्रमा मार्ग चरणामृत कुंड पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन संत चिन्मयानंद बापू महाराज ने गिरिराज पूजा महोत्सव लीला का लीला का मनोहारी वर्णन किया। भागवत में श्री गिरराज महाराज की झांकी सजाकर छप्पन भोग अर्पित किए गये। कथा सुनने के लिये बृजवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कथा में गोवर्धन पूजा की लीला के साथ भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को सुनाकर श्रोताओं को भक्ति रस गंगा में सरोकार किया।

भागवत कथा महोत्सव

के छठवें दिन परम पूज्य संत चिन्मयानंद बापू जी ने कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करायी।

इंद्र द्वारा की गई भारी मूसलाधार बारिश में श्री कृष्ण ने गिरिराज गोवर्धन को उठाया और ब्रजवासियों की रक्षा की। लेकिन भगवान ने बाद में इंद्र द्वारा अपनी भूल पर माफी मांगने पर उसको माफ भी कर दिया। उसका कारण यह भी था इंद्र ने गलती तो की लेकिन उसके कारण सभी ब्रजवासियों को भगवान के साथ रहने का अवसर मिला। कथा का रसपान कराते हुए बापूजी ने कहा कि भगवान की लीला पर कभी भी हमें संदेह नहीं करना चाहिए। क्योंकि भगवान कृष्ण सामर्थ्यवान है। भगवान 7 कोस के गिरिराज महाराज को 7 दिन तक अपनी उंगली पर उठा सकते हैं। उनकी लीला अपरंपार है। हम मनुष्य ईश्वर के अंश जरूर हैं लेकिन ईश्वर नहीं हो सकते। इसलिए कभी भी ईश्वर की किसी भी लीला पर संदेह नही करना चाहिये। धूमधाम से गिरिराज तलहटी में गिरिराज महाराज को छप्पन भोग महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आज सुबह कथा का रसपान कराते हुए भागवत कथा को विराम कराया जाएगा इस दौरान भजनों पर श्रद्धालु देर तक नाचते रहे। इस अवसर पर जंगलेश्वर महादेव मंदिर के महंत डॉ. दीनबंधु दास महाराज जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष गणेश पहलवान, भारत उपाध्याय, विष्णु सैनी, हेमंत शर्मा बृजवासी कथावाचक, श्याम दास जी महाराज, हनुमानगढ़ नेमीशरण पीठाधीश्वर पवन दास जी महाराज, मुरारी लाल गोयल, मयंक वैद्य,गंगादास, ओमप्रकाश, हरीश जोशी, हर्षवर्धन हनी पाठक आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

पुलिस कमीशनर से गुहार,अभ्यस्त चोरी के गैंग से चालीस लाख का सोना बरामद करे सरकार: निशांत वर्मा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नर कार्यालय मे अपने अधिवक्ता नित्यानंद राय,विनय राय रमुन्नाह एवं अभय सिंह के साथ वादी चौक निवासी निशांत वर्मा ने पहुँचकर लगाया गुहार। पीड़ित के द्वारा बताया गया की उसका चालीस लाख का सोना उसके कारीगर साहिल राजपूत और राजु राजपुत, गुलशन,श्रुती गैंग बनाकर दो फरवरी 2026 को 250 ग्राम सोना चोरी कर लिया जिसकी एफआईआर चौक थाने में दर्ज है। पुलिस ने 250 ग्राम की जगह मात्र चार ग्राम सोना बरामद कर लीपापोती कर रही है गंभीर मामले मे हल्की धाराये लगा दी गयी जिससे आरोपित जमानत पा जायेगे। उक्त गैंग के अभ्यस्त चोरी का प्रमाण देते हुये मांग की गयी कि उक्त गैंग से सोना आभूषण के व्यवसायी आतंकित हैं। पीड़ित ने वाराणसी पुलिस कमीशनर से गुहार लगाते हुए कहा की शिकायतकर्ता का चालीस लाख का सोना बरामद किया जाय और अन्य सोना व्यवसायी जिनका उक्त गिरोह सोना चोरी किया है उसकी भी निष्पक्ष जांच सहित उक्त मुकदमें की विवेचना चौक थाने से हटाकर दुसरे थाने को सुपुर्द किया जाय।

हजारों निर्धन कन्याओं के विवाह के सूत्रधार बने शनि पीठाधीश्वर स्वामी कन्हैया महाराज

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। अध्यात्म,ज्योतिष और समाज सेवा के संगम के रूप में शनि पीठाधीश्वर स्वामी कन्हैया महाराज आज समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं। अपनी सटीक ज्योतिषीय गणना,गहन हस्तरेखा ज्ञान और निस्वार्थ सेवा भाव के कारण उन्होंने न केवल काशी,बल्कि दूर - दराज के क्षेत्रों में भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

समाज सेवा का अनूठा उदाहरण

स्वामी कन्हैया महाराज के जीवन का सबसे अनुकरणीय पक्ष समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता है उन्होंने अब तक हजारों निर्धन कन्याओं का विवाह संपन्न कराकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है। उनके इस पुनीत कार्य से उन अनगिनत परिवारों को संबल मिला है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों के विवाह को लेकर चिंतित रहते थे।

प्रमुख सेवा कार्य एवं विशेषज्ञता

- हस्तरेखा विश्लेषण,करियर,स्वास्थ्य और पारिवारिक समस्याओं का सटीक मार्गदर्शन।
- सामूहिक विवाह,हजारों निर्धन कन्याओं के विवाह का सफल आयोजन।
- प्राचीन उपचार,दुर्लभ जड़ी-बूटियों और ज्योतिषीय उपायों से बाधा निवारण।

प्राचीन पद्धति और ज्योतिष से समाधान

ज्योतिष शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान में स्वामी जी का वर्षों का अनुभव है वे हस्तरेखा देखकर जीवन की जटिल समस्याओं का सटीक मार्गदर्शन करते हैं। विशेष रूप से जिन युवक-युवतियों के विवाह में अज्ञात बाधाएं आ रही हैं उनके लिए स्वामी जी वैदिक मंत्रों द्वारा अभिमंत्रित एवं विशेष जड़ी-बूटियों से निर्मित ताबीज प्रदान करते हैं।इस विषय पर स्वामी कन्हैया महाराज ने कहा प्रकृति की जड़ी-बूटियों और वैदिक मंत्रों में असीम शक्ति निहित है यदि सही विधि से इनका प्रयोग किया जाए,तो ग्रहों के प्रतिकूल प्रभाव को कम कर शीघ्र शुभ फल प्राप्त किए जा सकते हैं जो भी भक्त विवाह बाधा या अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं वे परामर्श हेतु संपर्क कर सकते हैं। वर्तमान में स्वामी जी के इन सेवा कार्यों की समाज के प्रबुद्ध वर्ग और श्रद्धालुओं द्वारा व्यापक सराहना की जा रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग उनके आश्रम और मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

डीएम एसएसपी ने सब इंस्पेक्टर की प्रथम पाली की परीक्षा हेतु की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ के द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 14 मार्च एवं 15 मार्च को आयोजित की जा रही है। जिलाधिकारी श्रुति एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने प्रातः 08 बजे आर्य कन्या इंटर कॉलेज तथा एफबीएम कन्या इंटर कॉलेज बुलंदशहर का निरीक्षण करते हुए प्रथम पाली की परीक्षा हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय 08 बजे से अभ्यर्थियों के प्रवेश के लिए जांच संबंधित प्रक्रिया को करते हुए अभ्यर्थी को प्रवेश दिया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने अभ्यर्थियों की की जा रही बॉयोमैट्रिक सहित अन्य जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया गया कि कैमरो को क्रियाशील रखा जाए ओर मॉनिटरिंग भी की जाए। परीक्षा को शांतिपूर्वक, पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराया जाए। परीक्षा केंद्रों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

बीएचयू में अंतर्राष्ट्रीय गौ महोत्सव का शुभारम्भ, गौ आधारित अर्थव्यवस्था पर मंथन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कृषि विज्ञान संस्थान स्थित शताब्दी कृषि सभागार में अंतर्राष्ट्रीय गौ महोत्सव 2026 धनधेनु वैश्विक सम्मेलन 2026 का भव्य शुभारम्भ हुआ। यह तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 14 से 16 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य गौ आधारित अर्थव्यवस्था,प्राकृतिक कृषि,पंचगव्य चिकित्सा,ग्रामीण उद्यमिता और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देना है।

इस महोत्सव का संयोजन चार्टर्ड अकाउंटेंट धनंजय ओझा द्वारा किया जा रहा है जिनके नेतृत्व में देशभर के वैज्ञानिकों, किसानों,गौपालकों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। कार्यक्रम में जितेन्द्र प्रज्ञेय (अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज),सुनील मंसिंघका (राष्ट्रीय कामधेनु आयोग), प्रो. गुरु प्रसाद सिंह (बीएचयू),डॉ.कुलदीप कुमार पांडे (चिकित्सा विज्ञान संस्थान बीएचयू),पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कमल टावरी,चार्टर्ड अकाउंटेंट धनंजय ओझा तथा पीएन द्विवेदी सहित कई विशेषज्ञों ने गौ आधारित कृषि,देसी गौवंश संरक्षण,पंचगव्य चिकित्सा और ग्रामीण उद्यमिता जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।

वाराणसी स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की बड़ी कार्यवाही, 3.54 करोड़ का सोना किया बरामद

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान जीआरपी एवं आरपीएफ की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में विदेशी मूल का सोना बरामद किया है। बरामद सोने की अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 54 लाख 40 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री प्रकाश डी,पुलिस महानिरीक्षक एन. कोलान्ची, पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशान्त वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुँवर प्रभात सिंह तथा सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ विरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर रेलवे स्टेशन,प्लेटफार्मों व सरकुलेटिंग एरिया में चोरी की घटनाओं की रोकथाम,अपराधियों/वारंटियों की गिरफ्तारी और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर के नेतृत्व में जीआरपी व आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा वाराणसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर ट्रेन संख्या 20503 डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस के प्लेटफार्म पर पहुंचने के बाद निकास द्वार के पास खड़े दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया।

पुलिस को देखकर दोनों व्यक्ति घबराकर भागने लगे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्तियों ने अपना नाम बालासो पुत्र अशोक जाधव निवासी सतारा (महाराष्ट्र) तथा तेजस बाला साहेब पंवार निवासी पुणे (महाराष्ट्र) बताया। तलाशी लेने पर बालासो के पास से जीन्स की पैंट के फेंट में छिपाकर रखे गए दस सोने के बिस्कुट तथा तेजस पंवार के पास से 9 सोने के बिस्कुट बरामद हुए। इस प्रकार कुल 19 गोल्ड बार/बिस्कुट बरामद हुए जिनका कुल वजन 2215 ग्राम (2.215 किलोग्राम) पाया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि यह विदेशी मूल का सोना है जिसे तस्करी के माध्यम से बांग्लादेश से लाया गया और कूचबिहार से दिल्ली ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बरामद सोने को आगे की कार्रवाई के लिए राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) क्षेत्रीय इकाई सिगरा वाराणसी की टीम को सुपुर्द कर दिया है।

आरकेजीआईटी में महिला दिवस पर गूंजा सशक्तिकरण का संदेश

250 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की सहभागिता, संस्थान प्रशासन ने की सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आरकेजीआईटी में महिलाओं के सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। वूमेन सेल आरकेजीआईटी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'स्ट्रेस मैनेजमेंट एंड हॉलिस्टिक डेवलपमेंट' रखा गया, जिसमें छात्राओं, छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा जीवन में तनाव को संतुलित तरीके से संभालने के उपायों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक भारतीय संस्कृति के अनुरूप दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा की कामना की। इसके बाद कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट एवं एंटरप्रेन्योर उपासना सिंह तथा अनाहत फाउंडेशन की संस्थापक भावना वार्ष्णेय उपस्थित रहीं। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, आत्मनिर्भरता और मानसिक संतुलन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपासना सिंह ने कहा कि आज के समय में महिलाओं की भूमिका समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण हो चुकी है, इसलिए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मविश्वासी होना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी। वहीं भावना वार्ष्णेय ने अपने वक्तव्य में तनावमुक्त जीवन जीने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव एक सामान्य समस्या बन चुका है, लेकिन सही सोच, सकारात्मक दृष्टिकोण और संतुलित जीवनशैली के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने योग, ध्यान और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक छात्राओं, छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने अतिथियों के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उनसे प्रेरणा प्राप्त की। संस्थान के डीन एकेडमिक डॉ. आर. के. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल और मानसिक संतुलन का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम की कन्वीनर और वूमेन सेल की चेयरपर्सन डॉ. ममता गोयल ने पूरे कार्यक्रम का संचालन करते हुए इसके उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिला दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं की उपलब्धियों और उनकी शक्ति को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, प्रिंसिपल फामेसी डॉ. मोनिका सचदेवा तथा डीन स्टूडेंट वेलफेयर एच. जी. गर्ग भी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। संस्थान के वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल ने भी कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वूमेन सेल की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रोबिन अब्राहम, गीतिका मेहता, डॉ. मंजूषा गोयल, इंजीनियर उमाशंकर प्रजापति तथा रेणु सिंघानिया का विशेष सहयोग रहा। उनके प्रयासों से यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक बल्कि प्रेरणादायक भी साबित हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

आईफा में फैशन शो का आगाज, छात्र-छात्राओं ने रैंप पर किया कैटवॉक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स में फैशन शो का आयोजन किया गया। फैशन शो में छात्र- छात्राओं ने भारतीय एवं पश्चात संस्कृति पर विकसित व निर्मित आकर्षक परिधानो में रैंप पर कैटवॉक किया, और दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। आज की फैशन शो के मुख्य अतिथि डॉ मनोज कुमार धीवान (डायरेक्टर श्रीराम कॉलेज मुजफ्फरनगर) एवं विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध फैशन कंसलटेंट शिवानी समाजसेवी अनुप्रीत कौर रही। कार्यक्रम का संचालन हर्षिता बर्मा ने किया।फैशन शो बीच में विद्यार्थियों द्वारा वातावरण को खुशनुमा बनाने के लिए विभिन्न रंगारंग का कार्यक्रम प्रस्तुत प्रस्तुत किए।

इस फैशन शो में फैशन चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों श्रुति शर्मा, हर्षिता वर्मा, वेदाशी, तनुष्का एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थी आदि दुहन, शिवानी, वंशिका एवं सेकंड ईयर विद्यार्थी अमन, अनुष्का चौहान, हिमानी, पूजा द्वारा स्वर्ण निर्मित परिधानों को मॉडलों को पहनकर प्रस्तुत किए।विजेता छात्रों को दो अलग-अलग विशेष श्रेणियां में शिबोरी एवं ओरिगैमी के विजेता छात्रों में यशिका तृतीय, अनुष्का चौहान द्वितीय एवं शिवानी को प्रथम विजेता घोषित किया। इसी प्रकार इंडो वेस्टर्न की शैलियां के आधार पर निशु तृतीय, वैदाशी द्वितीय एवं श्रुति शर्मा को प्रथम विजेता घोषित किया गया। सभी विजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

अंत में संस्थान के मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में फैशन विभाग की अध्यापिका रीता घोष एवं अक्षिता का विशेष योगदान रहा।

कौशल प्रशिक्षण शिविर में 80 छात्राओं को सिलाई मशीनों का वितरण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज, मोदीनगर में एनएसएस द्वारा आयोजित 7 दिवसीय कौशल एवं सामाजिक सेवा शिविर के पाँचवें दिन एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को 80 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

इस पहल को नव्या मोदी एवं उनके सहयोगी विद्यार्थियों के द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए, नव्या मोदी, कायरा अर्जोई, रियाना मलिक, जिया खन्ना तथा वैदया मोदी द्वारा धनराशि एकत्रित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इस कार्यक्रम में सिंगर सिलाई मशीन कंपनी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

जिन छात्राओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं, उन्हें सिंगर कंपनी द्वारा तीन माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही सिलाई कार्य से संबंधित सभी आवश्यक किट्स भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) डी.के. मोदी, रेनू मोदी, निधि मोदी, प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा तथा एडवाइजर श्रीमती रीता बख्शी सहित कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं को कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मॉडर्न कॉलेज क्रिकेट प्रीमियर लीग-2026 में बीसीए टीम का जलवा

बीसीए टीम ने लगातार दो मैच जीतकर फाइनल में दर्ज की शानदार जीत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, मोहन नगर की स्पोर्ट्स समिति के तत्वावधान में शनिवार को 'मॉडर्न कॉलेज क्रिकेट प्रीमियर लीग-2026' का भव्य आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता गाजियाबाद स्थित महामाया स्टेडियम के क्रिकेट मैदान में आयोजित हुई, जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में खेल भावना, जोश और प्रतिस्पर्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस क्रिकेट प्रीमियर लीग में महाविद्यालय के शिक्षा संकाय, मैनेजमेंट एवं प्रबंधन संकाय, कंप्यूटर एप्लीकेशन संकाय तथा मॉडर्न कॉलेज ऑफ लॉ की टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला एमसीपीएस की बीसीए टीम और मॉडर्न कॉलेज ऑफ लॉ की टीम के बीच खेला गया। मैच शुरू होने से पहले टॉस हुआ, जिसमें बीसीए टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले राउंड में मॉडर्न कॉलेज ऑफ लॉ की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 100 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीसीए टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 8.3 ओवर में ही 100 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ बीसीए टीम ने अगले चरण में प्रवेश कर लिया और दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। इसके बाद दूसरा मुकाबला बीसीए टीम और शिक्षा संकाय की टीम 'एजुकेशन वॉरियर्स' के बीच खेला गया। इस मैच में एजुकेशन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 58 रन का लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बीसीए टीम के बल्लेबाजों ने संयमित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने 8.2 ओवर में 59 रन बनाकर मैच जीत लिया और टूर्नामेंट में अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान बीसीए टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट खेल के लिए बीसीए के खिलाड़ी प्रशांत को 'मैन ऑफ द सीरीज' के खिताब से सम्मानित किया गया, जबकि दिव्यांशु को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने के दौरान मैदान में उत्साह का माहौल देखने को मिला और उपस्थित विद्यार्थियों ने तालियों की गडगड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. निशा सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियाँ छात्रों को अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण गुणों से परिचित कराती हैं। साथ ही इस प्रकार के आयोजन युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। डॉ. निशा सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ भी आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और शिक्षकों ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और पूरे टूर्नामेंट का आनंद लिया। खेल मैदान में छात्रों के उत्साह और जोश ने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया। मॉडर्न कॉलेज क्रिकेट प्रीमियर लीग-2026 का यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाला रहा, बल्कि छात्रों के बीच टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी मजबूत करने में सफल साबित हुआ। कॉलेज प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन जारी रखने की बात कही, ताकि छात्रों को अपनी खेल प्रतिभा को निखारने के अधिक अवसर मिल सकें।

आरकेजीआई टी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजीआईटी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में वूमेन सेल आरकेजीआईटी द्वारा स्ट्रेस मैनेजमेंट एंड हॉलिस्टिक डेवलपमेंट पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मिस उपासना सिंह एडवोकेट एवं एंटरप्रेन्योर एवं श्रीमती भावना वार्ष्णेय फाउंडर ऑफ अनाहत फाउंडेशन ने अपने प्रमुख भाषण में नारी के अधिकारों एवं तनाव मुक्त रहने के तरीका समझाएं। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक छात्राओं, छात्र एवं फैकल्टी उपस्थित रहे। संस्थान के डीन एकेडमिक डॉ आर के यादव ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की कन्वीनर एवं चेयरपर्सन वूमेन सेल डॉक्टर ममता गोयल ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉक्टर लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान, प्रिंसिपल फामेसी डॉ मोनिका सचदेवा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर श्री एच जी गर्ग मौजूद रहे। संस्थान के वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल ने सभी को कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी। कार्यक्रम में डॉक्टर रोबिन अब्राहम, श्रीमती गीतिका मेहता, डॉक्टर मंजूषा गोयल, इंजीनियर उमाशंकर प्रजापति, श्रीमती रेणु सिंघानिया का सहयोग रहा।

नन्हे कलाकारों ने मंच पर कक्षा दो के छात्रों ने अभिनय, संवाद और संदेश से दर्शकों का जीता दिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शास्त्री नगर स्थित नेहरू वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को कक्षा दो का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का प्रांगण रंगारंग कार्यक्रमों और बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से जीवंत हो उठा। कार्यक्रम में कक्षा दो के नन्हे-मुन्ने छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का दिल जीत लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण अंग्रेजी नाटक 'द स्क्वीज एंड द स्क्वैश' रहा, जिसमें छात्रों ने अपने अभिनय, संवाद और भाव-भंगिमाओं से मंच पर अद्भुत जीवंतता ला दी। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की एक्जीक्यूटिव हेड सुश्री सुजैन होम्स के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय में आयोजित इस प्रकार के सांस्कृतिक समारोह बच्चों के आत्मविश्वास और सृजनात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू वर्ल्ड स्कूल हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यालय, अभिभावकों और छात्रों के सामूहिक प्रयास का प्रतीक होती हैं। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध ई.एन.टी विशेषज्ञ डॉ. नृपन विश्नोई रहे, जिन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि छोटी उम्र में इस प्रकार के मंचीय अनुभव बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं और इससे उनमें आत्मविश्वास तथा अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होती है। कार्यक्रम के दौरान कक्षा दो के छात्रों द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक और सहशैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। छात्रों ने अपने अंदाज में विद्यालय की गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए दर्शकों को पूरे वर्ष की झलक दिखाई। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा 'द स्क्वीज एंड द स्क्वैशइ नामक नाट्य प्रस्तुति रही। यह प्रस्तुति एक रोचक कहानी पर आधारित थी, जिसमें यह संदेश दिया गया कि संतोष हमारे जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। नाटक की कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है जिन्हें अपना घर बहुत छोटा लगता है और वे उससे असंतुष्ट रहते हैं।

मोदीनगर में गैस की किल्लत से घंटों लाइनों में खड़े रहने को मजबूर लोग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मोदीनगर शहर में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत के कारण आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों को सुबह से ही एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। शहर के कई इलाकों में गैस की कमी के चलते मारामारी जैसे हालात बन गए हैं। लोग घंटों इंतजार करने के बाद भी कई बार खाली हाथ घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस की सप्लाई समय पर नहीं हो रही है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

फिलहाल गैस की समस्या को लेकर कोई ठोस समाधान नजर नहीं आ रहा है, जिससे शहरवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिन की शुरूआत प्रातः ड्रिल, पीटी एवं कैंप कार्यालय परिसर की सफाई के साथ हुई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

शिविर में आयोजित बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर योगेंद्र सक्सेना ने आईक्यूएसी तथा कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपने अनुभव साझा किए। वहीं प्राणी विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीकांत गौतम ने युवाओं में नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर, गदाना के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने अपने विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक मुकुल शर्मा एवं विदुषी राठी ने किया। सायं चार बजे चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमर सिंह कश्यप, डॉ कोमल गुप्ता, डॉ राज कुमार, डॉ शिवांगी त्रिवेदी ने अपने स्वयंसेवकों की रोल कॉल के बाद अगले दिन की गतिविधियों के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

अधिकारियों ने क्षेत्र की गैस एजेंसियों का किया औचक निरीक्षण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी द्वारा निर्गत निदेशों के कम में शनिवार को उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह मोदीनगर व नायब तहसीलदार मुरादनगर/मोदीनगर एवं पूर्ति विभाग के अधिकारी द्वारा गैस एजेंसीयों पर औचक निरीक्षण किया गया है। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर, गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और उपभोक्ताओं को दी जा रही सुविधाओं की जाँच की गई। एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जाये यदि किसी भी तरह की कालाबाजारी एवं अनियममितता पाए जाने पर एजेंसी संचालकों पर कार्यवाही की जायेगी। अधिकारियों ने मुरादनगर गैस सर्विस गैस एजेंसी मुरादनगर इंडियन गैस,जिंदल गैस सर्विस गैस एजेंसी मुरादनगर भारत गैस,मनन गैस सर्विस गैस एजेंसी कस्बा रोड मुरादनगर इंडियन गैस,ग्राम फरीदनगर में अग्नी एच०पी० गैस एजेंसी,राज इण्डेन ग्रामीण एजेंसी भोजपुर.गैस गोदाम ग्राम काजमपुर,त्यौडी ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी ग्राम त्यांडी-7,रोहन गैस एजेंसी ग्राम कलछीना गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया।

दो पक्षों में चले लाठी डंड

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित तेलीयान कॉलोनी में बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले और पत्थरबाजी हुई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज जांच शुरू कर दी है। कॉलोनी में रेश्मा और अशरफ का मकान आसपास है। दोनों के बच्चे खेल रहे थे। खेलते समय बच्चों के बीच मारपीट हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में पत्थरबाजी हुई। अशरफ पक्ष ने घर में घुसकर मारपीट कर तोडफोड़ की। पेट्रोल से सामान जलाने का भी प्रयास किया।

बाइक और स्कूटी की टक्कर में बाइक सवार घायल

गाजियाबाद। लोनी स्थित शिव विहार में रहने वाले मनोज कुमार छह मार्च को बाइक की सर्विस कराने के लिए दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित शोरूम पर जा रहे थे। जब वह बलराम नगर कॉलोनी स्थित टी प्वाइंट के पास पहुंचे तो विपरीत दिशा से आ रहे स्कूटी सवार चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मनोज के पैर की हड्डी टूट गई। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात स्कूटी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है

आई.टी.एस मोहन नगर में 'आई.टी.एस संवाद श्रृंखला' के तहत 'युवा विकसित भारत घोषणापत्र' पर विशेष व्याख्यान

गाजियाबाद। आई.टी.एस मोहन नगर में 'आई.टी.एस संवाद श्रृंखला' के अंतर्गत 'युवा विकसित भारत घोषणापत्र' विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुप्रसिद्ध लेखक और स्तंभकार तुहिन सिन्हा विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए देश के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ आई.टी.एस – द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, विशिष्ट वक्ता तुहिन सिन्हा, आई.टी.एस – द एजुकेशन ग्रुप के निदेशक (जनसंपर्क) सुरिंदर सूद, आई.टी.एस मोहन नगर के निदेशक डॉ. सुनील पांडेय, आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार तथा आई.टी.एस स्नातक परिसर की प्राचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

गाजियाबाद में बड़ा खुलासा: संवेदनशील स्थानों के वीडियो भेजने वाला गिरोह पकड़ा, 6 गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कौशाम्बी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त एक गिरोह का पदार्फाश किया है।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से अपराध में प्रयुक्त 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दिनांक 14 मार्च 2026 को सूचना मिली कि भोवापुर क्षेत्र के कुछ युवक रेलवे स्टेशन व सुरक्षा बलों के संवेदनशील स्थानों के वीडियो बनाकर विदेशी नंबरों पर भेजते हैं और इसके बदले पैसे कमाते हैं। इतना ही नहीं, ये लोग पैसों का लालच देकर अन्य युवाओं को भी इस काम में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे थे। सूचना

को गंभीरता से लेते हुए थाना कौशाम्बी पुलिस टीम ने भोवापुर टी-प्वाइंट के पास मदर डेयरी के सामने से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी सुहेल मलिक उर्फ रोमियो के मोबाइल की गैलरी में रेलवे स्टेशनों और सुरक्षा बलों की जगहों की फोटो व वीडियो मिले। साथ ही सभी मोबाइल फोन में विदेशी नंबरों से चैट भी प्राप्त हुई।

आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने एक अन्य सह-अभियुक्ता साने इरम उर्फ महक को भी आनंद विहार बॉर्डर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी योजनाबद्ध तरीके से फोन पर चैट के माध्यम से लोगों को संवेदनशील क्षेत्रों की फोटो और वीडियो बनाकर भेजने के लिए प्रेरित

करते थे। इसके बदले उन्हें पैसे दिए जाते थे और वे अन्य लोगों को भी इस काम के लिए जोड़ते थे। पुलिस के अनुसार यह गतिविधियां देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए खतरा बन सकती थीं तथा धार्मिक सद्भाव पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालने की आशंका थी।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 152/61(2) तथा शासकीय गुप्त अधिनियम की धारा 3/5 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपी

सुहेल मलिक उर्फ रोमियो पुत्र इस्लामुद्दीन, उम्र करीब 23 वर्ष, साने इरम उर्फ महक पत्नी मो. फैजान, उम्र 25 वर्ष, प्रवीन पुत्र मिन्टूराम, उम्र करीब 19 वर्ष, राज वाल्मीकि पुत्र अरविंद, उम्र करीब 21 वर्ष, शिवा वाल्मीकि पुत्र रविकुमार, उम्र करीब 20 वर्ष, रितिक गंगवार पुत्र लालता प्रसाद, उम्र करीब 23 वर्ष

बरामदगी

अपराध में प्रयुक्त 08 मोबाइल फोन, पुलिस के अनुसार सभी अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

निट्रा टेक्निकल कैंपस और नैसकॉम के बीच ऐतिहासिक समझौता

डिजिटल युग के अनुरूप कुशल पेशेवर तैयार करने के उद्देश्य से किया गया समझौता

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संजय नगर स्थित निट्रा टेक्निकल कैंपस ने देश के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी संस्था नैसकॉम-कौशल विकास परिषद के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग की दिशा में एक नया कदम बढ़ाया है।

इस समझौते के माध्यम से छात्रों को आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस करने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह साझेदारी भारत के तेजी से बढ़ते सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध होगी। इस समझौते पर नैसकॉम-

कौशल विकास परिषद के मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. उपमित सिंह, निट्रा के महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार तथा निट्रा टेक्निकल कैंपस के निदेशक डॉ. बी.के. शर्मा के बीच औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इस पहल को शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

निट्रा टेक्निकल कैंपस और नैसकॉम के बीच यह रणनीतिक साझेदारी भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों के निर्माण पर केंद्रित है। इसके माध्यम से छात्रों को नई तकनीकों की जानकारी, उद्योग से जुड़ाव और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह सहयोग देश के डिजिटल प्रतिभा तंत्र को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शालीमार गार्डन पुलिस का एक्शन : वाहन चोर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

5 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की, जबकि उसकी निशानदेही पर चार अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार 14 मार्च 2026 को थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दिल्ली वजीराबाद रोड शौचालय कट के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आजाद उर्फ अज्जू पुत्र शेरू, निवासी एफ-30 पुरानी सीमापुरी, थाना सीमापुरी, दिल्ली (उम्र करीब 32 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। इसके बाद आरोपी की निशानदेही

पर वजीराबाद रोड सेक्टर-3 राजेंद्र नगर स्थित शिव मंदिर के पास झाड़ियों से चार अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। बरामद मोटरसाइकिलों में से एक बाइक करीब एक महीने पहले दिल्ली के सीमापुरी क्षेत्र से चोरी की गई थी, जबकि बाकी चार मोटरसाइकिलें दिल्ली के जीटीबी, गाजियाबाद और शालीमार गार्डन इलाके से चोरी की गई थीं। आरोपी चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस की सतर्क चेकिंग के दौरान पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शालीमार गार्डन में धारा 317(2) व 317(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोज बेल पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सेक्टर-9 विजय नगर स्थित रोज बेल पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा नौवीं तक के वार्षिक परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्साह और हर्षोल्लास के साथ घोषित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में नर्सरी से मोहम्मद शालिक (100%), यूकेजी से रौनक सिंह (99.6%), कक्षा प्रथम से नैतिक शर्मा (99.1%), कक्षा द्वितीय से धानी (99.5%), कक्षा तृतीय से दिव्यांशी (95.6%), कक्षा चतुर्थ से (98.6%), कक्षा पंचम से अंशिका गिरि (91.9%), कक्षा षष्ठम से कनिष्का (88.6%), कक्षा सप्तम से आर्यन सिंह (94.3%) तथा कक्षा अष्टम से माही अधाना (96.2%) ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती धरमजीत कौर ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को टॉफी और प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारकर उनका सर्वांगीण विकास करना है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार भविष्य में भी आधुनिक शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के समन्वय के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा, ताकि वे समाज और देश का नाम रोशन कर सकें।

गैस किल्लत और महंगाई के विरोध में 'आप' का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की किल्लत और बढ़ती महंगाई के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकताओं ने कलक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए कार्यकताओं ने ईंटों से अस्थायी चूल्हा बनाकर उसमें लकड़ी जलाकर रोटी सेंकी और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद पार्टी नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति पर लगी रोक हटाने और गैस की कीमतों में की गई बढ़ोतरी वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विजय शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की आम जनता महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने से छोटे व्यापारियों, ढाबा संचालकों, रेस्तरां मालिकों और ठेली-खोमचा लगाने वाले लोगों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे लोगों का व्यवसाय गैस सिलिंडर पर निर्भर है और इसकी कमी के कारण उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति बंद होने से न केवल छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि कई औद्योगिक इकाइयों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण बड़ी संख्या में लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि तत्काल प्रभाव से कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति सभी स्थानों पर सुनिश्चित की जाए और बढ़ी हुई कीमतों को वापस लिया जाए। आम आदमी पार्टी नेताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण आम जनता पहले ही परेशान है और अब गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार ने समय रहते इस मुद्दे पर ठोस कदम नहीं उठाए तो आम जनता को और अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने प्रतीकात्मक रूप से ईंटों से चूल्हा बनाकर लकड़ी से रोटी सेंकी, जिससे यह संदेश दिया गया कि गैस की कमी के कारण लोग एक बार फिर पुराने तरीकों से खाना बनाने को मजबूर हो सकते हैं। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। प्रदर्शन के बाद पार्टी प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की गई है।

बीमा पॉलिसी के नाम पर साइबर ठगी करने वाला अन्तर्राज्यीय गिरोह गिरफ्तार, 5 आरोपी दबोचे

10 मोबाइल, 16 एटीएम कार्ड और कार बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पुलिस के थाना साइबर क्राइम टीम ने बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर लोगों से ठगी करने वाले एक अन्तर्राज्यीय साइबर फ्रॉड गैंग का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी बीमा पॉलिसी बनाकर लोगों को ठगने का काम करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को विभिन्न बीमा कंपनियों का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फोन करते थे और नई बीमा पॉलिसी या पुरानी पॉलिसी को अपडेट करने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठ लेते थे। इसके बाद पीड़ितों को कूटरचित

(फर्जी) पॉलिसी दस्तावेज भेज दिए जाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 10 मोबाइल फोन, 16 एटीएम कार्ड, 11 सिम कार्ड, एक कार तथा घटना से संबंधित 74 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह गिरोह मिलकर संगठित तरीके से कई राज्यों में लोगों को बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगी का शिकार बना चुका है। आरोपी कॉल सेंटर की तर्ज पर काम करते थे और लोगों का विश्वास जीतकर उनसे पैसे ट्रांसफर करा लेते थे। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के साथ-साथ यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार

बनाया है और कितनी रकम की ठगी की है। इस संबंध में डीसीपी सिटी नगर धवल जायसवाल ने बताया कि साइबर क्राइम टीम लगातार ऐसे गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और आम नागरिकों को भी किसी अंजान कॉल या लिंक के माध्यम से वित्तीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई है।

जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर नगर निगम सक्रिय

पहले चरण में मकानों की गणना का कार्य 7 मई से होगा प्रारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शनिवार को नगर निगम अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में उन्होंने अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जनगणना से संबंधित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, नगर जनगणना अधिकारी तथा विभिन्न जोनल प्रभारी चार्ज अधिकारियों के रूप में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनगणना निदेशालय लखनऊ से आई विशेषज्ञों की टीम ने नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना 2027 से संबंधित

महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया। इस दौरान प्रथम चरण में प्रारंभ होने वाले मकान गणना कार्य से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों, निर्माण विभाग के अवर अभियंताओं, राजस्व निरीक्षकों तथा कर निरीक्षकों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जनगणना निदेशालय की विशेषज्ञ टीम ने जनगणना 2027 की प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार राय, उपनिदेशक अभिमन्यु सिंह तथा सहायक निदेशक अरुण सिंह ने अधिकारियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जनगणना की प्रक्रिया और कार्य प्रणाली से अवगत कराया।

बैठक में बताया गया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों की गणना की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए मकान सूचीकरण ब्लॉक का गठन किया जाएगा। इस कार्य के तहत 7 मई 2026 से मकानों की स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू होगी, जो 21 मई तक चलेगी। इसके बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य पूरा कराया जाएगा। अधिकारियों को यह भी जानकारी दी गई कि नागरिक मकान सूचीकरण के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से भी कर सकते हैं। इससे नागरिकों को जनगणना प्रक्रिया में सीधे भाग लेने का अवसर मिलेगा और आंकड़ों को एकत्र करने की प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रभारी जनगणना का दायित्व डॉ. अनुज, उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी को सौंपा गया है।

गैस संकट की आहट से शहर के कारोबार पर असर, कॉमर्शियल सिलेंडर रुके तो ढाबों और ठेलों ने बदला मेन्यू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। इसका असर भारत में भी दिखाई देने लगा है, जहां कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। इस निर्णय का सीधा असर होटल, रेस्तरां, ढाबों और स्ट्रीट वेंडर्स के कारोबार पर पड़ा है। हालांकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है, लेकिन अफवाहों के चलते लोगों में घबराहट बढ़ने से बुकिंग में अचानक तेजी आ गई है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के चलते शहर के कई छोटे व्यवसायियों ने अपने मेन्यू में बदलाव करना शुरू कर दिया है, ताकि सीमित संसाधनों में भी काम जारी रखा जा सके। राजनगर में पिछले 18 वर्षों से छोले-भटूरे बेच रहे चंदू, जो मूल रूप से बस्ती के रहने वाले हैं, अब भटूरे बनाना बंद कर चुके हैं। गैस सिलेंडर की अनुपलब्धता के कारण उन्होंने अपने ठेले पर दाल-चावल, सब्जी और तंदूरी नान या रोटी बेचने का विकल्प अपनाया है। वे घर से तैयार दाल और सब्जी लाते हैं और दुकान पर तंदूर में नान बनाकर ग्राहकों को परोसते हैं। शहर में ऐसे करीब दो हजार से अधिक छोले-भटूरे विक्रेताओं ने भी इसी तरह अपने मेन्यू में बदलाव किया है। विजयनगर क्षेत्र में टिक्की और गोलगप्पे का ठेला लगाने वाले

रोहित ने भी गैस की खपत कम करने के लिए टिक्की चाट बनाना बंद कर दिया है और अब केवल तैयार गोलगप्पे और पापड़ी चाट बेच रहे हैं। उनका कहना है कि इससे गैस का इस्तेमाल कम होता है और उनका रोजगार भी बचा रहता है। उधर शहर के होटल और रेस्तरां संचालकों ने भी हालात के अनुसार अपने संचालन में बदलाव करना शुरू कर दिया है। कई जगह फ्राइड आइटम्स को मेन्यू से कम किया जा रहा है, जबकि कुछ होटल वैकल्पिक ईंधन जैसे कोयला या बिजली आधारित उपकरणों का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि कई प्रतिष्ठान अभी अपने मौजूदा स्टॉक के सहारे काम चला रहे हैं, लेकिन यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

इस बीच घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर कुछ लोगों द्वारा फैलाई गई अफवाहों के कारण गैस एजेंसियों पर अचानक भीड़ बढ़ गई है।

कई उपभोक्ता घबराहट में समय से पहले गैस बुक कराने पहुंच रहे हैं, जिससे बुकिंग सर्वर पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। राजनगर स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां कर्मचारी धीमे सर्वर के बावजूद बुकिंग प्रक्रिया संभालते नजर आए। पहले से बुक किए गए सिलेंडर उपभोक्ताओं के घरों तक पहुंचाए जा रहे हैं, जबकि कुछ लोग खुद एजेंसी से सिलेंडर ले जा रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है।